आज का विचार

यादों में बहुत ही जबरदस्त ताकत होती है। वह कल को आज में जिंदा रखती है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | मंगलवार, 13 जनवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 11, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन, मोदी–मर्ज ने साथ उड़ाई पतंग

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी मौजूद रहे। महोत्सव में भारत-जर्मनी मैत्री की झलक देखने को मिली, जब दोनों नेताओं ने स्वयं पतंग उड़ाकर पतंगबाजी का आनंद लिया।

प्रधानमंत्री मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज के रिवरफ्रंट पहुंचने पर उनका पारंपरिक अंदाज में जोरदार स्वागत किया गया। कलाकारों ने रंग-बिरंगे परिधानों में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए और लोक संगीत की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

उद्घाटन के पश्चात प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज खुले वाहन में सवार होकर महोत्सव स्थल का भ्रमण करते नजर आए। इस दौरान दोनों नेताओं ने खास तौर पर डिजाइन की गई पतंगें उड़ाईं।

इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहे। इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव अपनी व्यापक भागीदारी के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना है। महोत्सव में इस वर्ष 50 देशों के 135 विदेशी पतंगबाज, भारत के 13 राज्यों के 65 प्रतिभागी और गुजरात के 16 जिलों से 871 पतंगबाज हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और जर्मन चांसलर ने पतंग म्यूजियम और हेरिटेज वॉक का भी दौरा किया और विभिन्न किस्म की पतंगों की जानकारी ली।

भारत-जर्मनी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट, रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूतीः मोदी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और जर्मनी इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। दोनों देश इसके विरुद्ध पूरी दृढ़ता के साथ मिलकर लड़ाई जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात गुजरात के गांधीनगर में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज.के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता के दौरान कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि स्वामी विवेकानंद ने भारत और जर्मनी के बीच दर्शन, ज्ञान और आस्था का सेतु बनाया था। आज चांसलर फ्रेडरिक मर्ज.की यह यात्रा उसी सेतु को नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया विस्तार दे रही है। उन्होंने कहा कि चांसलर के रूप में यह मर्ज.की न केवल भारत बल्कि एशिया की भी पहली यात्रा है, जो भारत के साथ संबंधों को दिए जा रहे महत्व को दशार्ती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि चांसलर मर्ज.की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देशों ने पिछले वर्ष अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष मना रहे हैं। ये उपलब्धियां दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं, परस्पर विश्वास और निरंतर मजबूत होते सहयोग का प्रतीक हैं। मोदी ने कहा कि भारत और जर्मनी जैसी अर्थव्यवस्थाओं के बीच घनिष्ठ सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। द्विपक्षीय व्यापार अब 50 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां कार्यरत हैं, जो भारत की संभावनाओं में उनके विश्वास को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। रक्षा उद्योगों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए रोडमैप पर काम किया जाएगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बने व्यापक रोडमैप से नई दिशा मिलेगी और जर्मन विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने का आमंत्रण दिया गया है। भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-फ्री ट्रांजिट की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री ने चांसलर मर्ज.का आभार जताया। मोदी ने कहा कि यूक्रेन और गाजा सहित कई वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है। भारत सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थक है। दोनों देश जलवायु कार्रवाई, ऊर्जा, शहरी विकास, ग्रीन हाइड्रोजन और सुरक्षित सप्लाई चेन के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पर भी दोनों देशों में सहमति है। इस अवसर पर जर्मन चांसलर मर्ज.ने कहा कि संरक्षणवाद मुक्त व्यापार और खुले बाजारों के सिद्धांतों के खिलाफ है। भारत जैसे देश मुक्त व्यापार और खुले बाजारों पर केंद्रित हैं। आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकतरफा निर्भरता कम कर दोनों देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को अधिक सुदृढ़ बना सकते हैं।

लोक मिलनियां पंजाब के विकास को तेज करने में प्रेरक सिद्ध होंगीः भगवंत मान

कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर में की लोक मिलनी

सिटी दर्पण संवाददाता

जालंधर

कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर में आयोजित लोक मिलनी के दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से सीधे संवाद किया और उनकी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना। इस प्रत्यक्ष संवाद को पारदर्शी और जवाबदेह शासन की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुफ्त बिजली, बड़े पैमाने पर रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा सुधारों जैसी निरंतर जन-हितैषी पहलों से आम परिवारों पर आर्थिक बोझ लगातार कम हो रहा है और पंजाब देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी स्थिति पुनः प्राप्त करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

जालंधर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनियां शासन का नियमित हिस्सा होंगी, क्योंकि ये सरकार को जमीनी हकीकत समझने और जन शिकायतों का प्रभावी समाधान करने में मदद करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इन लोक मिलनियों का मूल उद्देश्य पूरी

प्रक्रिया को सुचारू बनाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करना है, जिससे राज्य के समग्र विकास को गति मिलेगी। हमारी सरकार हर नागरिक को पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह शासन प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की प्रगति और लोगों की खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, हम पंजाब की पुरातन शान को बहाल करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप पंजाब एक बार फिर देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। अपनी सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए मान ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए रंगला पंजाब बनाने की व्यापक योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। उन्होंने कहा, पिछले मुख्यमंत्री अपने महलों तक सीमित रहे, लेकिन मैं शांति, विकास और समृद्धि के नए युग की शुरूआत करने के लिए राज्य के हर कोने में जा रहा हूं। यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा, ताकि विकास और खुशहाली को और गति मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक मिलनियों का मुख्य उद्देश्य लोगों से सीधा संपर्क स्थापित करना और समग्र विकास के लिए रणनीति तैयार करना है। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम का देश भर में कोई उदाहरण नहीं है। कोई अन्य राज्य सरकार लोगों की समस्याओं को उनके दरवाजे पर जाकर हल करने के लिए इतना समय नहीं निकालती। लोक मिलनियां न केवल जन समस्याओं के शीघ्र समाधान को सुनिश्चित करती हैं, बल्कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में भी सहायक होती हैं। इसे वर्तमान जरूरतों के अनुरूप एक जन-हितैषी पहल बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनी नागरिकों को उनके दैनिक कार्यों को सरलता से पूरा करने में सहायता करती है और सुशासन को मजबूत करती है। उन्होंने कहा, यह कार्यालयों के कामकाज को बेहतर बनाने में मददगार है और प्रशासन को जमीनी हकीकत की स्पष्ट समझ प्रदान करती है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों के दरवाजे तक पहुंचे। हम विकास को तेज करने और खुशहाली बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल ऑफ एमिनेंस और अन्य सरकारी स्कूलों के 265 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि 44 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड और 848 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है। उन्होंने आगे कहा, शिक्षकों और प्रिंसिपलों को उनके शिक्षण कौशल को उन्नत करने के लिए विश्व प्रसिद्ध संस्थानों में भेजा गया है। हमारी सरकार द्वारा गठित सड़क सुरक्षा फोर्स को देश भर में और संसद में भी सराहना मिली है।

जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी संस्थाओं का हरियाणा में स्वागतः नायब सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए राज्य के स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी बनने वाली सभी जिम्मेदार संस्थाओं का हरियाणा में स्वागत है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मजबूत ढांचे के साथ-साथ निजी क्षेत्र की जांच एवं चिकित्सा सेवाओं की भूमिका भी नागरिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर सेक्टर 12ए स्थित भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप न्यास गुरुग्राम द्वारा संचालित 'विवेकानंद आरोग्य केंद्र' में प्रेम सागर हृदय रोग चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जी की 163वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति तथा पोंगल पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। विवेकानंद आरोग्य केंद्र जैसे संस्थान इन प्रयासों को जमीनी स्तर

पर मजबूती प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के फिट इंडिया के संदेश से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियाणा में आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाओं को आमजन तक पहुँचाया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि धन के अभाव में कोई भी गरीब नागरिक इलाज से वंचित न रहे। प्रदेश में आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 34 लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से लगभग 25 लाख मरीजों के इलाज पर 4,500 करोड़ रुपये के क्लेम दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये वार्षिक तक निःशुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है, जिसके अंतर्गत अब तक 26,513 बुजुर्गों के इलाज पर 53 करोड़ 57 लाख रुपये के क्लेम प्रदान किए गए हैं। उद्घाटन समारोह में विधायक मुकेश शर्मा, मेयर राजरानी मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक पवन जिंदल, भारत विकास परिषद के संगठन मंत्री सुरेश जैन, विवेकानंद आरोग्य केंद्र के अध्यक्ष विनोद मित्तल, मुकेश अग्रवाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय सह संघचालक प्रताप यादव व अन्य मौजूद रहे।

बहस और असहमति लोकतंत्र की आत्मा, लेकिन निर्णय और सहयोग अनिवार्य : उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि बहस, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं, लेकिन इनका उद्देश्य अंततः निर्णय तक पहुंचना होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार निर्णय हो जाने के बाद उसके प्रभावी और सुचारु क्रियान्वयन के लिए सामूहिक सहयोग अनिवार्य है।

उपराष्ट्रपति यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनसे अपने ज्ञान और

कौशल को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करने का आान किया।

जेएनयू की लोकतांत्रिक परंपरा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों में विचारों की स्वतंत्रता, बहस, चर्चा, असहमति और वैचारिक मंथन अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन सुचारु प्रशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए निष्कर्ष और सहयोग की भावना भी उतनी ही आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके विचारों का स्मरण करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण, बौद्धिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता होना चाहिए। शिक्षा और समुचित प्रशिक्षण के माध्यम से ही भारत का युवा वर्ग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यविकसित भारत-2047ह्न के संकल्प को साकार कर सकता है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उपनिषद, भगवद्गीता, कौटिल्य का अर्थशास्त्र और तिरुक्कुरल जैसे ग्रंथों में शिक्षा को सामाजिक और नैतिक जीवन का केंद्र माना गया है। इस अवसर पर जेएनयू के कुलाधिपति कंवल सिब्बल, कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलिपुडी पंडित, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, उपाधि प्राप्त विद्यार्थी तथा उनके परिजन उपस्थित थे।

जयराम रमेश ने बजट से पहले सरकार को आर्थिक चुनौतियों पर किया आगाह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संसद के आगामी सत्र का कार्यक्रम घोषित होने के बाद देश की अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026/27 का बजट बीस दिन बाद पेश किया जाएगा और यह निस्संदेह 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन असली चुनौती यह है कि सरकार मौजूदा आर्थिक वास्तविकताओं को स्वीकार करती है या नहीं।

रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा कि 16वें वित्त आयोग ने 17 नवंबर 2025 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जो 2026/27 से 2031/32 की अवधि को कवर करती है। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे तथा राज्यों के बीच वितरण से जुड़ी सिफारिशें शामिल हैं। मनरेगा को खत्म करने वाले नए कानून में लागू किए गए 60:40 लागत साझा करने के फामूर्ले से पहले ही चिंतित राज्य सरकारें अब और अधिक आशंका में हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें तीन सबसे प्रमुख हैं। टैक्स में कटौती और अच्छे मुनाफे के बावजूद निजी कॉरपोरेट निवेश की दरें अब भी सुस्त बनी हुई हैं, घरेलू बचत दरों में भारी गिरावट आई है जिससे निवेश की क्षमता सीमित हो गई है, और संपत्ति, आय व उपभोग से जुड़ी असमानताएं लगातार गहराती जा रही हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि क्या आने वाला बजट सांख्यिकीय भ्रमों से बाहर निकलकर इन वास्तविकताओं को स्वीकार करेगा और उनसे निपटने के लिए ठोस कदम उठाएगा। रोजगार सृजन के बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए उच्च जीडीपी वृद्धि दरें अत्यंत आवश्यक हैं, लेकिन ये तब तक टिकाऊ नहीं हो सकतीं जब तक इन चुनौतियों का समाधान नहीं किया जाता। आगामी बजट सरकार के लिए एक परीक्षा की घड़ी होगी कि वह वास्तविक आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए ठोस कदम उठाती है या नहीं।

गति, गुणवत्ता और तकनीक से भारत बना रहा विश्वस्तरीय हाईवेः नितिन गडकरी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वस्तरीय राजमार्ग परियोजना और बड़े पैमाने पर परियोजना क्रियान्वयन में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

नितिन गडकरी ने आज आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में एनएच-544जी बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा (कॉरिडोर) पर बनाए गए चार गिनीज विश्व रिकॉर्ड के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित किया। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष यादव, सांसद पार्थसारथी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, नई तकनीकों के उपयोग और गुणवत्ता के साथ गति बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अनुबंधकर्ता राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को बधाई देते हुए कहा कि सरकार का मिशन लागत कम करते हुए गुणवत्ता में सुधार करना और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देना है।उन्होंने कहा कि नवाचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के जरिए ज्ञान को संपदा में बदलना ही देश के भविष्य की दिशा तय करेगा और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में सरकार लगातार नई तकनीकों का उपयोग कर रही है और गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि राजमार्ग निर्माण की गति लगातार बढ़े, लागत घटे और साथ ही पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी का संरक्षण भी सुनिश्चित हो। अलग-अलग प्रकार की नई सामग्री और नवोन्मेषी (इनोवेटिव) तकनीकों का उपयोग कर सड़क निर्माण को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक

अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों ने धान की पराली से बिटुमेन बनाने में सफलता हासिल की है और इस तकनीक को 15 उद्योगों को पेटेंट के रूप में प्रदान किया जा चुका है। अब देश में पराली से बिटुमेन का उत्पादन शुरू हो गया है, जिससे प्रदूषण की समस्या कम होगी और किसानों को भी लाभ मिलेगा। गडकरी ने कहा कि नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान को संपदा में बदलना ही देश के भविष्य की दिशा तय करेगा। सरकार का स्पष्ट मिशन है कि निर्माण लागत को कम करते हुए गुणवत्ता में सुधार किया जाए और इसके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ तकनीकों और सफल प्रयोगों को अपनाया जा रहा है। ऐसे रिकॉर्ड मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। केंद्र सरकार की नीतिगत स्पष्टता, ठेकेदारों की प्रतिबद्धता और आंध्र प्रदेश सरकार तथा मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के सहयोग से यह ऐतिहासिक उपलब्धि संभव हो पाई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सोच हमेशा नए प्रयोगों, नई तकनीकों और विकासोन्मुख पहलों को प्रोत्साहित करने वाली रही है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निमार्णाधीन एनएच-544जी बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा (कॉरिडोर) पर कुल चार गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। 6 जनवरी को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी के पास पहले दो रिकॉर्ड स्थापित किए गए, जिनमें 24 घंटे के भीतर 28.89 लेन किलोमीटर या तीन लेन चौड़े 9.63 किलोमीटर लंबे खंड में बिटुमिनस कंक्रीट की सबसे लंबी लगातार बिछावट और 24 घंटे में 10,655 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट की सबसे अधिक मात्रा लगातार बिछाने का रिकॉर्ड शामिल है। दोनों रिकॉर्ड छह लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत पहली बार विश्व स्तर पर बनाए गए। इसके बाद 11 जनवरी को दो और गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाए गए, जिनमें 57,500 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट की निरंतर बिछावट और 156 लेन किलोमीटर या तीन लेन चौड़े 52 किलोमीटर लंबे खंड की लगातार पेविंग का रिकॉर्ड शामिल है। इस दौरान 84.4 लेन किलोमीटर या दो लेन चौड़े 42.2 किलोमीटर लंबे खंड के पिछले विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया गया। ये रिकॉर्ड बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा (कॉरिडोर) के पैकेज-2 और पैकेज-3 में बनाए गए। एनएचएआई ने कंसेशनर एमएस राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर अत्याधुनिक निर्माण तकनीक और मशीनरी का उपयोग करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। निर्माण कार्य में 70 टिप्पर, पांच गरम मिश्रण संयंत्र (हॉट मिक्स प्लांट), एक पेवर और 17 रोलर लगाए गए। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी बॉम्बे सहित प्रमुख संस्थानों और मूल उपकरण निमार्ता (ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स) द्वारा सख्त गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी की गई, जिससे सुरक्षा और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित हुआ। 343 किलोमीटर लंबा यह प्रवेश-नियंत्रित (एक्सेस-कंट्रोल्ड) छह लेन आर्थिक गलियारा (कॉरिडोर) पूरा होने के बाद यात्रा दूरी को मौजूदा 635 किलोमीटर से घटाकर 535 किलोमीटर कर देगा।

हिमाचल में चिट्टे पर सुक्खू सरकार का सख्त वार, 11 पुलिसकर्मी बर्खास्त

चिट्टा कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह सरकारी कर्मचारी ही क्यों न हो

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में चिट्टे और नशे के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे कड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ा संदेश दिया है। जिन पर कानून की रक्षा की जिम्मेदारी थी, वही अगर नशे के अवैध कारोबार में शामिल पाए गए तो उनके लिए कोई रियायत नहीं। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने 11 पुलिस कर्मियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है।

सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार एनडीपीएस एक्ट के मामलों में संलिप्त पाए जाने पर इन पुलिस कर्मियों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) के तहत सेवा से हटाया गया है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में भारतीय रिजर्व बटालियन बनगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर नीरज कुमार, जिला बिलासपुर में तैनात कांस्टेबल शुभम ठाकुर, आईआरबी पंडोह के कांस्टेबल कपिल, एसडीआरएफ के कांस्टेबल शिव कुमार, जिला शिमला पुलिस के कांस्टेबल लक्ष्य चौहान, एसवी एंड एसीबी में तैनात कांस्टेबल व चालक विशाल ठाकुर, आईआरबी जंगलबैरी के कांस्टेबल गौरव वर्मा, आईआरबी सकोह के कांस्टेबल व चालक संदीप राणा, एसडीआरएफ के कांस्टेबल अंकुश कुमार, स्टेट सीआईडी के कांस्टेबल रजत चंदेल और जिला शिमला में तैनात कांस्टेबल राहुल वर्मा शामिल हैं।

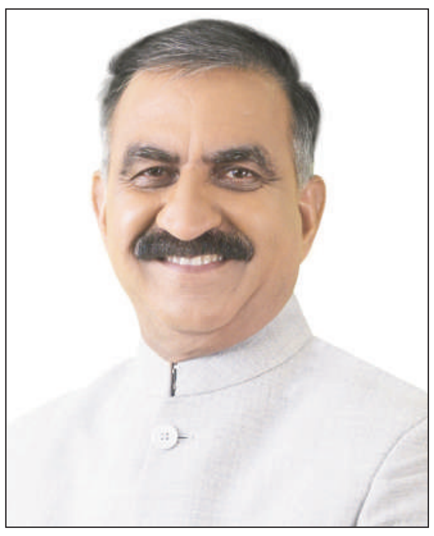

शिमला में सोमवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी चिट्टे के खिलाफ कार्रवाई करने की है। यदि पुलिस कर्मी ही चिट्टा तस्करी और अवैध गतिविधियों में शामिल होंगे तो उनके खिलाफ कठोर कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टा कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह सरकारी कर्मचारी ही क्यों न हो।

बैठक में पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने प्रदेश में चिट्टे के खिलाफ पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि चिट्टे की तस्करी और इससे जुड़ी गतिविधियों में शामिल कर्मचारियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जल्द मुख्य सचिव को सौंपी जाए। साथ ही चिट्टे से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 21 और 22 जनवरी को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में एंटी चिट्टा ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा पूरे प्रदेश में एंटी चिट्टा अवेयरनेस स्पोर्ट्स टूनार्मेंट भी कराए जाएंगे, ताकि युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा सके।

उन्होंने नशे के खिलाफ सूचना देने वालों के लिए इनाम राशि की जानकारी भी दी। दो ग्राम तक चिट्टे की सूचना पर 10 हजार रुपये, पांच ग्राम पर 25 हजार, 25 ग्राम पर 50 हजार, एक किलो पर पांच लाख और एक किलो से अधिक चिट्टे की सूचना पर 10 लाख रुपये तक इनाम दिया जाएगा। बड़े गिरोह की जानकारी देने वालों को पांच लाख रुपये से अधिक का इनाम भी दिया जाएगा। चिट्टे से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए सरकार ने 112 आपातकालीन नंबर पर संपर्क करने की अपील की है।

जल शक्ति विभाग में पाइप आपूर्ति पर सवाल, भाजपा ने मांगी जांच

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के जल शक्ति विभाग में जीआई पाइप की आपूर्ति को लेकर सामने आई एक आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने सोमवार को एक बयान में कहा कि विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी के सामने पेश 22 पन्नों की रिपोर्ट से बड़े स्तर पर अनियमितताओं और संभावित मिलीभगत के संकेत मिलते हैं।

भाजपा के अनुसार यह मामला मार्च 2025 का है, जब 4,500 मीट्रिक टन से अधिक जीआई पाइप की आपूर्ति में निविदा की शर्तों की अनदेखी की गई। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि वास्तविक ट्रांसशिपमेंट के बिना फर्जी ई-वे बिल दिखाए गए। संदीपनी भारद्वाज ने बताया कि वर्ष 2024झ25 में एल-1 फर्म होने के नाते एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड को 4,770 मीट्रिक टन जीआई पाइप की आपूर्ति का आदेश दिया गया था, जिसकी कुल लागत करीब 36.77 करोड़ रुपये थी।

भाजपा नेता ने कहा है कि रिपोर्ट में दर्ज विवरण के अनुसार 13.150 मीट्रिक टन (80 एमएम पीई) जीआई पाइप, जिनकी कीमत लगभग 10.19 लाख रुपये बताई गई है, सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि को बिना सूचना दिए बड़सर डिवीजन भेज दिए गए। कंपनी की ओर से दावा किया गया कि एक ही ट्रक से आनी और बड़सर के लिए सामग्री भेजी गई थी। बाद में यह कहा गया कि पहाड़ी इलाके में लोड न उठ पाने के कारण दूसरे ट्रक से ट्रांसशिपमेंट किया गया।

भाजपा प्रवक्ता का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम में न तो सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि की मौजूदगी दर्ज की गई और न ही अनिवार्य वीडियोग्राफी का कोई प्रमाण उपलब्ध है, जबकि निविदा की शर्तों के मुताबिक सामग्री की तौल, डिस्पैच और ट्रांसशिपमेंट सिविल सप्लाई के प्रतिनिधि की मौजूदगी में होना जरूरी था।

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि यह मामला केवल विभागीय लापरवाही का नहीं है बल्कि दस्तावेजों में हेराफेरी और आपसी सांठगांठ की आशंका को भी मजबूत करता है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार से इस पूरे मामले पर श्वेत पत्र जारी करने, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि जनता के पैसे से जुड़े इस मामले को दबाया नहीं जा सकता और भाजपा हर हाल में सरकारी धन के उपयोग का पूरा हिसाब मांगेगी।

ड्यूटी के दौरान महिला स्वास्थ्य अधिकारी से बदसलूकी, मामला दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के ननखड़ी क्षेत्र से एक महिला स्वास्थ्य अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला ने एक व्यक्ति पर रास्ता रोकने, गाली-गलौज करने और धमकाने के आरोप लगाए हैं। पीड़िता वर्तमान में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुराड़ में तैनात है और ये घटना ड्यूटी के दौरान हुई है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार महिला अधिकारी ने बताया कि 11 जनवरी को सुबह करीब 10 बजे वह गांव टिप्पर (सुराड़) में मौजूद थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उनका रास्ता रोका, उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी मेहर सिंह निवासी सुराड़, तहसील ननखड़ी ने जानबूझकर उन्हें रोका और डराने-धमकाने के साथ गाली-गलौज की। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस के अनुसार शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दोनों पक्षों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में थाना ननखड़ी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 351(3) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिमाचल ने भूटान को भेंट किए चिलगोजा के पौधे

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सेवोमवार को प्रदेश सचिवालय शिमला से भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण एवं सहयोगात्मक संबंधों को और सुदृढ़ करते हुए भूटान को चिलगोजा के पौधों का उपहार प्रेषित किया।

वाहन को हरी झंडी दिखाने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल भारत और भूटान के मैत्रिपूर्ण, सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा भूटान को पांच लाख रुपए मूल्य के चिलगोजा के और बीज भी प्रदान किये जाएंगे। प्रदेश सरकार द्वारा भूटान के वन विभाग के अधिकारियों को चिलगोजा के पौधे उगाने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके लिए उनके वन विभाग की टीम शीघ्र ही हिमाचल आएगी। प्रदेश सरकार

चिलगोजा गतिविधियों में स्थानीय महिला मंडलों को भी शामिल करेगी और इसके लिए उन्हें आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पूर्व भी भूटान को चिलगोजा के 50 किलोग्राम बीज प्रदान किए जा चुके हैं।

चिलगोजा पश्चिमी हिमालय की बहुमूल्य प्रजाति है, जो पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और स्थानीय आजीविका से गहराई से जुड़ी हुई है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार वन संवर्धन के लिए अनेक पहल कर रही है और राज्य में वन आवरण के विस्तार को लेकर अनेक योजनाएं चला रही है। सरकार के प्रयासों से वन क्षेत्र लगभग 55 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। इस वर्ष लगभग 9,000 हेक्टेयर वन भूमि पर विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के अंतर्गत पौधरोपण किया जा रहा है, इसमें 60 प्रतिशत फलदार पौधे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना बंजर पहाड़ियों को हरा भरा करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इस योजना के तहत अब तक 600 हेक्टेयर बंजर पहाड़ियों पर पौधरोपण किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

मेडिकल जांच में शादी के बाद नाबालिग निकली युवती, पति पर एफआईआर

शिमला। शिमला जिले के जनजातीय क्षेत्र डोडरा-क्वार से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसमें शादी के कई महीने बाद युवती के नाबालिग होने का खुलासा हुआ है।मामले के अनुसार जून 2025 में एक युवती अपने माता-पिता को बिना बताए गांव के ही एक युवक के साथ घर से चली गई थी। दोनों ने आपसी सहमति से शादी कर ली और साथ रहने लगे। उस समय परिवार या प्रशासन को युवती की उम्र को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई। मामला तब सामने आया जब 9 जनवरी 2026 को युवती अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए पहुंची। यहां चिकित्सा अधिकारी ने उसके आधार कार्ड की जांच की, जिसमें यह सामने आया कि युवती ने अभी 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। इस तथ्य की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार युवती के बयान दर्ज किए गए हैं, जिसमें उसने बताया कि वह जून 2025 में आरोपी युवक के साथ घर से चली गई थी और बाद में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, दस्तावेजों के अनुसार युवती घटना के समय नाबालिग थी, जिसके चलते यह मामला कानून के दायरे में आता है। इस पूरे घटनाक्रम के आधार पर थाना चिड़गांव में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 और पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की गहनता से जांच कर कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू पुलिस ने मनवाल और पौनी चक क्षेत्रों में दो लापता व्यक्तियों का पता लगाया और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

जम्मू। जम्मू पुलिस ने मनवाल पुलिस चौकी और पौनी चक पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र से दो लापता व्यक्तियों का सफलतापूर्वक पता लगाया। मनवाल पुलिस चौकी ने जम्मू जिले के दानसाल तहसील के चिल्लारह गांव की निवासी एक लड़की (नाम गुप्त रखा गया) का पता लगाया जो 08-01-2026 को लापता हो गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही दैनिक डायरी में तुरंत गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और एक समर्पित पुलिस दल का गठन किया गया। लगातार प्रयासों, तकनीकी सहायता और मानवीय खुफिया जानकारी के माध्यम से सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद लापता लड़की का सफलतापूर्वक पता लगाया गया और उसे उसके परिवार से मिला दिया गया। इसी तरह पौनी चक पुलिस चौकी ने प्रथम शर्मा पुत्र नामक एक लापता व्यक्ति का पता लगाया। राजिंदर कुमार शर्मा निवासी मकान नंबर 511 आनंद नगर पट्टा चुंगी बोहरी जिनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 10-01-2026 को दर्ज कराई गई थी। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उन्हें सुरक्षित रूप से ढूंढ लिया गया और उनके परिवार से मिला दिया गया। तदनुसार दोनों गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई हैं। जम्मू पुलिस के समयबद्ध और निष्ठापूर्ण प्रयासों की आम जनता ने व्यापक रूप से सराहना की है।

जम्मू सिटी पुलिस स्टेशन ने हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर किया गिरफ्तार

जम्मू। पुलिस स्टेशन सिटी जम्मू ने शहर में एक लक्षित अभियान के दौरान एक कुख्यात नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर हेरोइन जब्त की। विशिष्ट और विश्वसनीय सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए निरंतर निगरानी के तहत पुलिस स्टेशन सिटी के आईसी पीपी रेजिडेंसी रोड स्थित पुलिस की एक टीम ने पीएसआई आकिब लतीफ के नेतृत्व में आईसी हरि मार्केट जीसी थप्पा और पीएसआई इमरान हमीद के साथ मिलकर चंचल सिंह, पुत्र ठाकुर अनार सिंह, निवासी मकान नंबर 149 राम मंदिर के पास शास्त्री नगर जम्मू को गिरफ्तार किया। जाँच के दौरान उसके पास से पंजीकरण संख्या एचआर26इडी 2045 वाली एक कार के साथ 5 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और विधिवत कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली गई। तदनुसार पुलिस स्टेशन सिटी में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 21 22 के तहत एफआईआर संख्या 03 2026 दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई जारी हैं।

हिमाचल में 16 जनवरी से बदलेगा मौसम, बर्फबारी के आसार, शिमला के पारे में उछाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच आगामी दिनों में मौसम करवट ले सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 16 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना बन रही है। 16, 17 और 18 जनवरी को खासतौर पर ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। इसके साथ ही मैदानी और निचले क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है और अगले 24 घंटों के दौरान शीतलहर चलने की चेतावनी भी दी गई है। फिलहाल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आज मौसम शुष्क बना हुआ है।

बीते करीब तीन महीनों से प्रदेश सूखे की स्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में बारिश और बर्फबारी का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। राजधानी शिमला और पर्यटन नगरी मनाली में अब तक इस सर्दी में बर्फ नहीं गिरी है, जिससे पर्यटन कारोबार के साथ-साथ सेब बागवानों और किसानों की भी चिंता बढ़ी हुई है।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो शिमला में बीती रात न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 6 डिग्री अधिक है। एक ही रात में तापमान में करीब 5 डिग्री का उछाल आने से शिमला में ठंड का असर कुछ हद तक कम महसूस किया गया। इससे पहले शिमला में रात का पारा 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक रिकार्ड किया जा रहा था। अन्य शहरों की बात करें तो सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री, भुंतर में 1.0, कल्पा में 2.4, धर्मशाला में 2.6, ऊना में 2.0, नाहन में 5.3, पालमपुर में 3.0, सोलन में 1.2, मनाली में 2.1, कांगड़ा में 3.0, मंडी में 2.4, बिलासपुर में 4.5, हमीरपुर में 1.6 और जुब्बड़हट्टी में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऊंचाई वाले इलाकों में कुफरी का न्यूनतम तापमान 6.8, नारकंडा का 3.8, रिकांगपिओ का 6.4, पांवटा साहिब का 6.0, सराहन का 4.2, देहरा गोपीपुर का 5.0 और बजौरा का 2.3 डिग्री सेल्सियस रहा। जनजातीय इलाकों में ठंड का प्रकोप सबसे ज्यादा है, जहां तापमान माइनस में चला रहा है।

लाहौल स्पीति जिला के कुकुमसेरी में बीती रात न्यूनतम तापमान माइनस 9.6 डिग्री और ताबो में माइनस 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मैदानी व निचले जिलों में भी कोहरे के कारण ठिठुरन बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 12 से 15 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन 16 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ के असर से ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 17 और 18 जनवरी को भी ऊपरी हिमालयी क्षेत्रों में बर्फ गिरने की संभावना जताई गई है। साथ ही 13 से 16 जनवरी तक कई इलाकों में सुबह और देर रात घना कोहरा छाने का अलर्ट है, जबकि कुछ स्थानों पर शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला समीक्षा बैठक के लिए अपने आवास से पैदल ही जम्मू के उपायुक्त कार्यालय पहुंचे

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

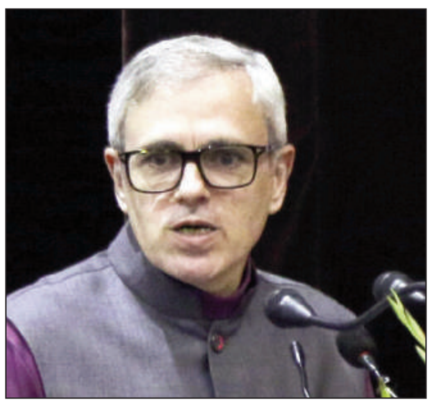

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सोमवार को एक आधिकारिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अपने आवास से पैदल ही जम्मू के उपायुक्त कार्यालय पहुंचे।

मुख्यमंत्री अपने आवास से डीसी कार्यालय तक पैदल चले, जिससे ध्यान आकर्षित हुआ क्योंकि उन्होंने काफिले का उपयोग करने के बजाय पैदल जाने का विकल्प चुना। अधिकारियों ने कहा कि बैठक जम्मू क्षेत्र में चल रहे कार्यों और शासन-संबंधी मामलों का आकलन करने के लिए एक निर्धारित प्रशासनिक समीक्षा का हिस्सा थी।

समीक्षा बैठक के दौरान वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे जहां प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक योजना के अनुसार आगे बढ़ी। मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश जारी किए।

मौसम का कहर | **जनजीवन और परिवहन व्यवस्था प्रभावित**

जम्मू में भीषण ठंड और घने कोहरे के कारण दृश्यता हुई कम

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सोमवार सुबह जम्मू भर में भीषण ठंड का मौसम रहा और घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई जिससे जनजीवन और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई। सुबह के समय कम दृश्यता के चलते शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी रही और सामान्य सुबह की तुलना में कम वाहन दिखाई दिए।

यातायात अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के कारण कई क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रमुख सड़कों और शहर के प्रवेश द्वारों पर दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालक सावधानी से गाड़ी चला रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि कोहरे की स्थिति ने जम्मू हवाई अड्डे पर हवाई यातायात को भी प्रभावित किया जिससे निर्धारित उड़ानों में देरी हुई। घने कोहरे के कारण कम दृश्यता के चलते सोमवार सुबह जम्मू से श्रीनगर, जम्मू से दिल्ली और जम्मू से इंदौर जाने वाली तीन उड़ानें विलंबित हुईं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह के समय परिचालन प्रभावित हुआ और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौसम की स्थिति के अनुसार उड़ानों की आवाजाही में बदलाव किया गया। यात्रियों को अद्यतन समय सारिणी के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी गई। मौसम अधिकारियों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र में सर्दियों की सुबह के दौरान ऐसी स्थितियां आम हैं और तापमान और नमी के स्तर के आधार पर ये रुक-रुक कर जारी रह सकती हैं। अधिकारियों ने कहा कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और यात्रियों से सुबह के समय घने कोहरे के बीच यात्रा करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से जारी

जम्मू। मौसम में सुधार के बाद सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि रणनीतिक राजमार्ग पर यातायात धीमा होने या जाम लगने की कोई सूचना नहीं है, जम्मू और कश्मीर दोनों छोर से यातायात लगातार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार से सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है जिससे यात्री वाहनों के साथ-साथ आवश्यक आपूर्ति ट्रकों का निर्बाध आवागमन संभव हो पाया है।

राजमार्ग की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने बताया कि यातायात सामान्य है और किसी भी हिस्से में कोई बड़ी रुकावट नहीं देखी गई। सड़क रखरखाव दल ने सर्दियों की स्थिति में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी जारी रखी। इस बीच दक्षिण कश्मीर को पीर पंजाल क्षेत्र से जोड़ने वाली मुगल रोड भी यातायात के लिए खुली है। हालांकि कई हिस्सों में विशेष रूप से सुबह के समय भीषण ठंड के कारण यातायात धीमा रहा। अधिकारियों ने मुगल रोड का उपयोग करने वाले वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर सुबह के समय क्योंकि ऊंचे इलाकों में भीषण ठंड के कारण सड़क की पकड़ प्रभावित हो रही है। यातायात अधिकारियों ने कहा कि वे सतर्क हैं और सर्दियों के मौसम की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए सुचारू और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए दोनों मार्गों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

लोहड़ी जीवन, प्रकृति और सामूहिक खुशियों का उत्सव : प्रो. असीम घोष

सोनीपत के जिला बाल भवन में धूमधाम से मनाया गया राज्य स्तरीय लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा जिला सोनीपत के बाल भवन में आयोजित राज्य स्तरीय लोहड़ी समारोह में राज्यपाल एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष प्रो० असीम कुमार घोष, उनकी धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा मित्रा घोष तथा मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लोहड़ी की पवित्र अग्नि में आहुति देकर प्रदेशवासियों को लोहड़ी व मकर संक्रांति के पावन पर्व की हार्दिक बधाई दी।राज्यपाल प्रो० असीम कुमार घोष ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लोहड़ी के इस आनंदमय अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में आप सभी के साथ शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।उन्होंने कहा कि लोहड़ी केवल फसल का त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, प्रकृति और सामूहिक खुशियों का उत्सव है। यह सर्दियों के अंत और नए कृषि चक्र की शुरूआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरूआत का संदेश देता है।

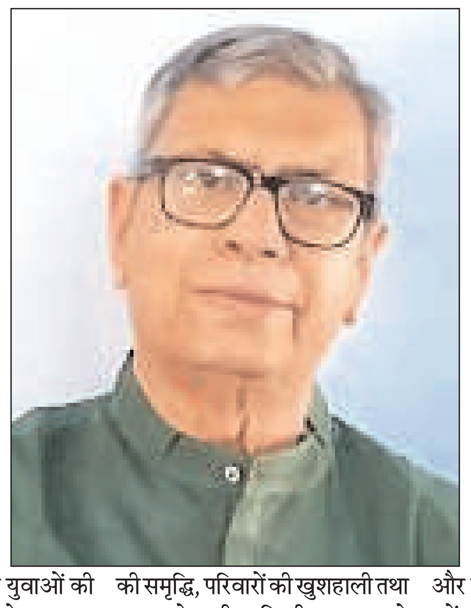

राज्यपाल ने कहा कि लोहड़ी की पवित्र अग्नि हमें गर्मजोशी, एकता और प्रकृति की प्रचुरता के प्रति कृतज्ञता की याद दिलाती है। हरियाणा समृद्ध परंपराओं, गहरी जड़ों वाले मूल्यों और जीवंत सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। लोकगीतों, नृत्यों और पारंपरिक उत्सवों के माध्यम से यहां की सांस्कृतिक आत्मा झलकती है।

उन्होंने विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा अपनी जड़ों, संस्कृति और विरासत से जुड़ते हैं, तो संस्कृति जीवंत रहती है।लोहड़ी जैसे पर्व साझा करने, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। अंत में राज्यपाल ने किसानों की समृद्धि, परिवारों की खुशहाली तथा राज्य व देश की प्रगति की कामना करते हुए कहा कि लोहड़ी की अग्नि की गर्माहट हर घर को शांति, स्वास्थ्य और आनंद से भर दे। समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

इस दौरान लेडी गर्वनर एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा मित्रा घोष ने लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोहड़ी कृतज्ञता, प्रकृति और लोगों के साथ हमारे गहरे रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोगों के बीच एकता की भावना को भी उजागर करता है।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी की धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा ने प्रदेशवासियों को लोहड़ी एवं राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि लोहड़ी हमारी संस्कृति और परंपराओं की आत्मा है। यह पर्व हमें प्रकृति से जोड़ता है और मेहनतकश लोगों के जीवन में खुशियां भरता है। अग्नि के चारों ओर एकत्रित होकर गीत गाना, मूंगफली, रेवड़ी और गुड़ अर्पित करना हमें अपनी जड़ों से फिर से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का पर्व एकता और भाईचारे का संदेश देता है, जहां जाति-धर्म, अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता, केवल इंसानियत और खुशियां होती हैं।

उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय युवा दिवस भी है जो स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद भारत के महान संन्यासी, विचारक और युवाओं के प्रेरणास्त्रोत थे।उनका अमर संदेश उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए आज भी हम सभी को निरंतर आगे बढने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को देश की असली शक्ति बताया था। यदि युवा मजबूत हैं तो देश भी मजबूत होता है।

उन्होंने इस अवसर पर हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि वर्ष 1971 से परिषद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नारी परिवार की रीढ़ होती है। जहां नारी सशक्त होती है, वहां परिवार और समाज दोनों सशक्त होते हैं।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ समाज को दिशा देने में निभाता है महत्वपूर्ण भूमिका : नवीन जिन्दल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल ने नववर्ष, लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कुरुक्षेत्र के पत्रकारों के साथ आत्मीय वातावरण में पर्व मनाया। इस अवसर पर पत्रकारों के सम्मान में लंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुरुक्षेत्र स्थित होटल सैफरन में दोपहर 12:30 बजे आयोजित हुआ, जिसमें जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से जुड़े सभी प्रमुख पत्रकारों ने भाग लिया। आयोजन पूरी तरह अनौपचारिक, सौहार्दपूर्ण और आपसी संवाद से भरपूर रहा।सांसद नवीन जिन्दल ने पत्रकारों को नववर्ष और पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज को दिशा देने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकार समाज का आईना होते हैं और आमजन की आवाज सरकार व प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की सही और तथ्यपरक जानकारी जन-जन तक पहुंचाना मीडिया की अहम जिम्मेदारी है, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने मीडिया कर्मियों से आग्रह किया कि वे इन जनहितकारी प्रयासों की जानकारी व्यापक स्तर पर साझा करें, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि लोहड़ी और मकर संक्रांति जैसे पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन आपसी एकता, सौहार्द और संवाद को मजबूत करते हैं।अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को खेलों और फिटनेस से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए नियमित खेल और व्यायाम बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने पत्रकारों से भी अपने व्यस्त जीवन में से समय निकालकर नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आान किया। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जनप्रतिनिधियों और मीडिया के बीच संवाद को और मजबूत करते हैं तथा सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं।

जनवरी, 2026 के अंत में आवासीय, व्यवसायिक, संस्थागत संपत्तियों की ई-नीलामी करेगा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा ई-नीलामी नीति 19 सितम्बर, 2025 की धारा संख्या-4 में संशोधन के अनुसार, मेजर साईट्स (व्यावसायिक साईट्स, होटल साईट्स एवं बहु-मंजिला ईमारत) के लिए अब सिर्फ न्यूनतम दो ईएमडी अनिवार्य होंगी, जिसकी नीलामी 31 जनवरी, 2026 की जाएगी।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण द्वारा सभी जोनस की आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (प्रेफरेंशियल), नर्सिंग होम साईट्स, क्लिनिक साईट्स व सभी स्कूल साईट्स के लिए 28 जनवरी को नीलामी की जाएगी। इसी प्रकार, गुरुग्राम और रोहतक जोन के आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (सामान्य) के लिए 29 जनवरी को नीलामी की जाएगी।जिला फरीदाबाद, हिसार और पंचकूला जोन के आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (सामान्य) हेतु 30 जनवरी, 2026 को नीलामी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सभी जोनस की प्रमुख स्थलों जैसे कि व्यावसायिक, होटल, अस्पताल, संस्थागत तथा बहु-मंजिला इमारत स्थलों के लिए ई-नीलामी 31 जनवरी, 2026 को की जाएगी। उन्होंने बताया कि ई-नीलामी सुबह 10 बजे शुरू की जाएगी।स्थलों की पूरी जानकारी और ई-नीलामी की नियम और शर्तें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आने वाली ई-नीलामी की अधिक जानकारी प्राधिकरण की वैबसाइट तथा हेल्पलाइन नंबर 1800-180-3030 पर प्राप्त की जा सकती है।

31 जनवरी को हरियाणा सरकार मनाएगी गुरु रविदास जयंती : कृष्ण लाल पंवार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाएगी। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह 31 जनवरी को कुरुक्षेत्र जिले के उमरी में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार स्वयं करेंगे। समारोह के भव्य आयोजन के प्रबंध के लिए ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहाकार श्री सुदेश कटारिया उनके साथ विशेष सहयोग करेंगे।

श्री कृष्ण लाल पंवार सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ-साथ प्रदेशभर के सामाजिक, धार्मिक संगठनों और आम नागरिकों को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा, ताकि गुरु रविदास जी के विचारों और संदेशों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के महान संत थे। उन्होंने अपने उपदेशों और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और जातिगत असमानता के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई। गुरु रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और समानता का संदेश देने के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

श्री पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों की शिक्षाओं और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ह्यसंत-महापुरुष विचार प्रसार एवं सम्मान योजनाह्न के तहत निरंतर

उनकी जयंती और स्मृति समारोह आयोजित करती आ रही है।उन्होंने कहा कि ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।सरकार का उद्देश्य है कि नई पीढ़ी संत-महापुरुषों के जीवन, विचारों और कार्यों से प्रेरणा लेकर सही दिशा में आगे बढ़े।

इस अवसर पर श्री पंवार ने भारतीय संस्कृति के महान अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया तथा प्रदेशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति और नववर्ष की भी शुभकामनाएं एवं बधाई दी। आगामी बजट के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी किसानों, उद्योगपतियों और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व सुझाव लेने के लिए लगातार बैठकें कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि अच्छे और व्यावहारिक सुझावों को बजट में शामिल किया जाएगा तथा यह बजट जन-सहमति से तैयार होकर हरियाणा के समग्र विकास का मार्गदर्शक बनेगा। उन्होंने आशा जताई कि विकास एवं पंचायत विभाग के लिए भी आगामी बजट में मुख्यमंत्री विशेष ध्यान देंगे।

श्री कृष्ण लाल पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि जीटीरोड स्थित कुरुक्षेत्र के उमरी में ही संत गुरु रविदास जी के मंदिर, छात्रावास और उनके नाम पर ही धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने बीते दिनों कैबिनेट में 5 एकड़ जमीन संस्थान को फ्री में देने का निर्णय लिया है।उन्होंने कहा कि उक्त 5 एकड़ जमीन पर संत शिरमोणि गुरु रविदास जी के नाम से भव्य संस्थान बनाने का फैसला हरियाणा सरकार ने लिया है।

संक्षिप्त-समाचार

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद को किया नमन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में गुरुग्राम स्थित एसपीआर रोड पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आान किया। इस कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली, पूर्व सांसद सुधा यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सडक सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आयोजित हो रहे हैं विभिन्न कार्यक्रम : डॉ नरेंद्र सिंह

कुरुक्षेत्र। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। अहम पहलू यह है कि यह सड़क सुरक्षा माह गत 1 जनवरी से शुरु हुआ था और आगामी 31 जनवरी तक चलेगा। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निदेर्शानुसार सोमवार को पुलिस विभाग व आरटीए विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शहर में हैवी वाहनों, प्राइवेट बसों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों, ऑटो, रिक्शा, ई-रिक्शा व अन्य वाहनों पर फ्री में रिफ्लेक्टर टेप लगाकर वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है,ताकि धुंध में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा.नरेंद्र सिंह ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय शराब का प्रयोग ना करें तथा अपने वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाए और अपने वाहन में ओवरलोड न डाले, दोपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग करें तथा अपनी गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना घायल व्यक्ति की मदद करने पर सरकार द्वारा पच्चीस हजार रुपये की पुरस्कारित राशि निर्धारित की गई है अब आप बिना किसी डर के घायल व्यक्ति को तुरन्त अस्पताल पहुंच सकते हैं तथा पुरस्कृत राशि प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आरटीए विभाग के इंस्पेक्टर जोगेन्द्र ढुल द्वारा चालको को यातायात की जानकारी प्रदान की गई और बताया गया की यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर थाना प्रबंधक नेशनल हाईवे सुखदेव सिंह, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक शेर सिंह, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, पूर्व पुलिस निरीक्षक रोशन लाल सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कुवि परिसर में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के फैकल्टी लॉज के प्रांगण में सोमवार को कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती, को हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं, हम सभी के लिए आत्म-चिंतन और संकल्प का दिन है। स्वामी जी का जीवन और उनके विचार केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज के आधुनिक युग में और भी अधिक प्रासंगिक हैं। हमें उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारकर एक सशक्त और समर्थ भारत के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस मौके पर प्राक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. जसबीर ढांडा, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, प्राचार्या प्रो. रीटा, प्रो. कुसुमलता, प्रो. परमेश कुमार, लोक सम्पर्क विभाग की उपनिदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा मौजूद थे।

सतबीर सिंह को लगाया सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले के लिए मेला प्रशासक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने फरीदाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी श्री सतबीर सिंह को 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 के लिए मेला प्रशासक नियुक्त किया है।

अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर मिलेगा 3 लाख तक का अनुदान

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को सशक्त बनाने हेतु वर्ष 2025-26 के लिए ट्रैक्टर अनुदान योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। किसान 15 जनवरी तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत अनुसूचित जाति के वे किसान, जिनके नाम कृषि भूमि है (परिवार पहचान पत्र - के अंतर्गत परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर भूमि मान्य) 45 हॉर्स पावर या उससे अधिक क्षमता के ट्रैक्टर पर 3,00,000 लाख प्रति इकाई अनुदान के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लाभार्थियों का चयन जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर की खरीद एवं भौतिक सत्यापन के उपरांत अनुदान राशि सीधे लाभार्थी के उस बैंक खाते में जमा की जाएगी, जो मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत होगा। लाभार्थी हरियाणा राज्य का निवासी एवं अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित होना चाहिए। लाभार्थी ने पिछले पांच वर्षों में विभाग की किसी भी योजना के अंतर्गत ट्रैक्टर पर अनुदान का लाभ न लिया हो। लाभार्थी ट्रैक्टर की खरीद तिथि से पाँच वर्षों तक ट्रैक्टर को बेच नहीं सकेगा।

प्रदेश में पेयजल बनता जा रहा है जहर, जनता दूषित पानी पीने को मजबूर: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने प्रदेश में लगातार प्रदूषित होते पेयजल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मिली रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा के अनेक जिलों, कस्बों और कॉलोनियों में लोग कड़ाके की सर्दी के बावजूद शुद्ध पेयजल से वंचित हैं और मजबूरी में दूषित पानी पीने को विवश हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कई क्षेत्रों में पानी में टीडीएस, फ्लोराइड, नाइट्रेट और अन्य हानिकारक रासायनिक तत्व तय मानकों से कहीं अधिक पाए जा रहे हैं। अनेक स्थानों पर 600 से 1300 तक टीडीएस वाला पानी सप्लाई किया जा रहा है, जो आम नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। सार्वजनिक स्थानों,

जलघरों और रिहायशी इलाकों में भी पानी पीने योग्य नहीं है, लेकिन संबंधित विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं।

सांसद ने सिरसा जिले के घग्घर क्षेत्र के गांवों में दूषित पानी की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि घग्घर के किनारे वाले गांवों में भूमिगत पानी भी पीने योग्य नहीं है। घग्घर में कैमिकल युक्त पानी बह रहा है जिससे भूमिगत पानी भी दूषित हो गया है। यह पानी कैंसर का कारण भी बन रहा है। घग्घर में बह रहे कैमिकलयुक्त पानी की समस्या को उन्होंने कई बार उठाया है, लेकिन सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि दूषित पेयजल के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में पेट, हड्डियों, किडनी और त्वचा से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। फ्लोराइड और नाइट्रेट युक्त पानी लंबे समय में गंभीर और स्थायी बीमारियों का कारण बनता है। इसके बावजूद सरकार ने न तो प्रभावी जल शुद्धिकरण की स्थायी व्यवस्था की और न ही प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित की।कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में वर्षों से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी इलाकों में भी लोग टैंकरों और निजी साधनों से पानी लेने को मजबूर हैं, जिससे आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।यह सरकार और प्रशासन की गंभीर लापरवाही को दशार्ता है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस में जुड़ेंगे देशभर से मीडिया शिक्षक और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स

- विश्वविद्यालय कुलगुरु ने जारी किया राष्ट्रीय कांफ्रेंस का ब्रोशर
- गलत सूचना और पूर्वाग्रह से निपटने के उपाय खोजे जाएंगे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद मीडिया, समाज और डिजिटल युग में सार्वजनिक विमर्श विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित यह सम्मेलन 17 एवं 18 मार्च, 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव कुमार ने आज सम्मेलन का ब्रोशर जारी किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. राजीव कुमार ने इस आयोजन की शैक्षणिक एवं सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा, डिजिटल मीडिया के उस युग में जहां यह हमारे जीवन के हर पहलू को आकार दे रहा है, यह सम्मेलन विद्वानों, व्यवसायियों और नीति-निमार्ताओं के लिए गलत सूचना, नैतिक एआई उपयोग तथा सार्वजनिक विमर्श के परिवर्तन जैसी चुनौतियों पर चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन में होने वाली चचार्एं मीडिया साक्षरता को बढ़ाने तथा समाज में जिम्मेदार संचार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। उन्होंने सम्मेलन में देशभर से सक्रिय भागीदारी की उम्मीद जताई।

लिबरल आर्ट्स एवं मीडिया स्टडीज संकाय की डीन प्रो. अनुराधा शर्मा ने कहा, यह सम्मेलन विशेष रूप से तेजी से डिजिटल होते के संदर्भ में मीडिया प्रगति और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच के अंतर को कम करने के लिए आवश्यक है।

सम्मेलन एवं संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन सिंह ने कहा, सम्मेलन के माध्यम से हम विभिन्न मंचों पर विविध दृष्टिकोणों को एकत्रित करके गलत सूचना और तकनीकी पूर्वाग्रहों से उत्पन्न चुनौतियों के नवीन समाधान विकसित करने का लक्ष्य रखते हैं, जिससे अंततः मीडिया को लेकर समझ और जुड़ाव बढ़ेगा।

सम्मेलन की सलाहकार समिति में 30 से अधिक सदस्यों को शामिल किया गया है, जिसमें नीति-निमार्ता, कुलगुरु, प्रख्यात शिक्षाविद तथा उद्योग के मीडिया विशेषज्ञ शामिल हैं।

राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध : श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी कल्याणकारी योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, बशर्ते कि उपलब्ध बजट का सही, पारदर्शी और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचना चाहिए।

श्री श्याम सिंह राणा आज चंडीगढ़ में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं के अंतर्गत पिछले वर्ष आवंटित बजट के उपयोग, वर्तमान वित्तीय स्थिति तथा आगामी वर्ष में संभावित खर्चों को लेकर विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया।

बैठक के दौरान श्री राणा ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना की प्रगति की समीक्षा की और जल संरक्षण को प्रदेश की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि धान जैसी अधिक पानी लेने वाली फसलों के विकल्पों को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों के प्रति जागरूक किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने धान की पराली एवं अन्य फसल अवशेषों के वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को मशीनरी, तकनीकी सहायता और प्रोत्साहन राशि समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सके। कृषि मंत्री ने सॉयल हेल्थ कार्ड योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि मिट्टी की जांच केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि इसके माध्यम से किसानों को बिजाई से लेकर फसल कटाई तक उर्वरक उपयोग, फसल चयन और उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक मार्गदर्शन मिलना चाहिए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सॉयल हेल्थ कार्ड के सुझावों का पालन सुनिश्चित करने के लिए किसानों के साथ नियमित संवाद किया जाए। श्री श्याम सिंह राणा ने खेतों को खाद और पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाने पर बल देते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग ही टिकाऊ कृषि का आधार है। उन्होंने किसानों को ऑर्गेनिक खेती की ओर प्रेरित करने के निर्देश भी दिए, ताकि खेती की लागत घटे, मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और उपभोक्ताओं को जहर मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है कि किसान आर्थिक रूप से सशक्त हों, उनकी आमदनी बढ़े और खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सके। इसके लिए विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ काम करें और जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री मुकेश कुमार आहूजा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

चुनाव आयुक्तों की ताउम्र सुविधाओं पर सवाल: सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में चुनाव आयोग केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों का सबसे मजबूत स्तंभ माना जाता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि चुनाव प्रक्रिया कितनी पारदर्शी, निष्पक्ष और दबावमुक्त है। ऐसे में जब चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, उनकी सेवा शर्तों और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली सुविधाओं को लेकर स्पष्ट और व्यापक कानून के अभाव का प्रश्न उठता है, तो यह चिंता केवल कानूनी नहीं रह जाती, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ जाती है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों को दी जाने वाली 'ताउम्र छूट' और विशेष सुविधाओं के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत की यह टिप्पणी इस ओर संकेत करती है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर किसी भी तरह की अस्पष्टता लोकतंत्र के लिए घातक हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि चुनाव आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद के लिए अब तक कोई स्पष्ट और व्यापक कानून क्यों नहीं बनाया गया। संविधान में चुनाव आयोग की स्थापना, उसके अधिकार और जिम्मेदारियों का उल्लेख तो है, लेकिन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया, उनकी सेवा शर्ते, कार्यकाल के बाद मिलने वाली सुविधाएं और संभावित हितों के टकराव को लेकर विस्तृत वैधानिक ढांचा आज भी अधूरा है। अदालत ने सवाल उठाया है कि क्या इतनी अहम संस्था को केवल सरकारी नियमों और अधिसूचनाओं के भरोसे छोड़ा जाना उचित है। यह सवाल अपने आप में व्यवस्था की पारदर्शिता और मंशा दोनों पर प्रकाश डालता है। ताउम्र छूट या आजीवन सुविधाओं का मुद्दा पहली नजर में भले ही तकनीकी और सीमित दायरे का लगे, लेकिन इसके प्रभाव गहरे और दूरगामी हैं। यदि किसी चुनाव आयुक्त को सेवा निवृत्ति के बाद आजीवन सरकारी सुविधाएं, आवास या अन्य विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो यह आशंका स्वाभाविक रूप से पैदा होती है कि कहीं यह भविष्य में उनके फैसलों की स्वतंत्रता को प्रभावित न करे। सुप्रीम कोर्ट ने इसी संभावित खतरे की ओर इशारा करते हुए पूछा है कि क्या ऐसी व्यवस्थाएं संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हैं। अदालत का संकेत स्पष्ट है कि संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल उनके निर्णयों से नहीं, बल्कि उनकी संरचना और कार्यप्रणाली से भी तय होती है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर सार्वजनिक बहस तेज हुई है। कई राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के संगठनों ने आयोग के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए हैं। आरोप-प्रत्यारोप के इस माहौल में चुनाव आयोग की छवि और भी संवेदनशील हो जाती है। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती यह संदेश देती है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर किसी भी तरह का विशेषाधिकार, अस्पष्ट नियम या असमान व्यवस्था लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकती है। अदालत चाहती है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति के बाद की स्थिति तक हर पहलू कानून के दायरे में स्पष्ट रूप से परिभाषित हो।केंद्र सरकार के सामने अब एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी खड़ी हो गई है। पहली चुनौती यह है कि वह सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करे कि मौजूदा व्यवस्था किस कानूनी आधार पर टिकी हुई है। दूसरी और उससे भी बड़ी चुनौती यह है कि भविष्य के लिए एक ऐसा ठोस वैधानिक ढांचा तैयार किया जाए, जो न केवल संविधान के अनुरूप हो, बल्कि जनता के विश्वास को भी मजबूत करे। यदि चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तों और सुविधाओं को लेकर संसद द्वारा स्पष्ट और पारदर्शी कानून बनाया जाता है, तो इससे न केवल अदालत की चिंता दूर होगी, बल्कि संस्थागत स्थिरता और विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।यह मामला केवल प्रशासनिक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संघीय ढांचे और शक्तियों के संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ है कि वह सरकार और सत्ता पक्ष से समान दूरी बनाए रखे। यदि आयुक्तों की सुविधाएं और भविष्य की सुरक्षा पूरी तरह कार्यपालिका की इच्छा पर निर्भर हों, तो यह संतुलन प्रभावित हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इसी संभावित असंतुलन की ओर इशारा करता है। अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि चुनाव आयोग किसी भी तरह के प्रत्यक्ष या परोक्ष दबाव से मुक्त रहे और उसकी निष्पक्षता पर कोई सवाल न उठे। लोकतंत्र में कानून का शासन केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि संवैधानिक पदों और संस्थाओं पर भी समान रूप से लागू होता है। चुनाव आयुक्तों के लिए स्पष्ट कानून का अभाव एक ऐसा खालीपन है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती दरअसल इसी खालीपन को भरने की संवैधानिक पुकार है। यह केंद्र सरकार के लिए एक अवसर भी है कि वह व्यापक राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श के बाद एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद कानून लाए।अंततः असली सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयुक्तों को ताउम्र छूट या विशेष सुविधाएं दी जाएं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या ऐसी कोई भी सुविधा लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्षता और संवैधानिक नैतिकता के अनुरूप है। सुप्रीम कोर्ट ने गेंद अब केंद्र सरकार के पाले में डाल दी है। सरकार का जवाब केवल कानूनी औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि यह तय करेगा कि भारत का चुनावी तंत्र आने वाले समय में कितना स्वतंत्र, विश्वसनीय और पारदर्शी रहेगा। यदि इस अवसर का सही उपयोग किया गया, तो यह कदम न केवल चुनाव आयोग की साख को मजबूत करेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को भी एक नई मजबूती प्रदान करेगा।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स.)

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप-प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं।

केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है।

तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी साल 2021 का विधानसभा चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल का पद हथियाने में सफल रही। साल 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं।

पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं। बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईस्वी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है।

ममता बनर्जी बहुत पहले से अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है। दरअसल, ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोडकर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न जारी है।

भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वा' आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वा' आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें। लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं। लेकिन असल चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव हैं। इसमें भाजपा की जीत पक्की है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। करीबी लोगों के साथ किसी गंभीर विषय पर विचार-विमर्श होगा। ध्यान रखें, हर किसी से वैसी ही अपेक्षा न रखें जैसा आप दूसरों के लिए करते हैं। *(हि.स.)*

वृषभ: रुके हुए कार्यों में गति आने के योग हैं। नया व्यापार शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति कठिन परिस्थितियों में भी आपको संभाले रखेगी। बीमार व्यक्तियों की सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। *(हि.स.)*

मिथुन: आज अपने फैसले दूसरों पर थोपने से बचें। बेरोजगार लोगों को करियर को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन नौकरी के अवसर भी बन रहे हैं। सहकर्मियों के साथ व्यवहार संतुलित रखें। संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझ सकते हैं। *(हि.स.)*

कर्क: जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए खर्च करना पड़ सकता है। प्रेम संबंधों में आज विशेष अपनापन रहेगा और कोई कीमती भेंट दे सकते हैं। आयात-निर्यात से जुड़े कारोबार में लाभ के संकेत हैं। उच्च अधिकारी अपेक्षित सहयोग न दें, लेकिन साहित्य और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। *(हि.स.)*

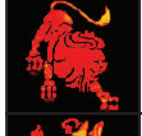
सिंह: कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आस्था बनाए रखें। व्यापार में प्रगति के अवसर मिलेंगे। योजनाओं को लेकर थोड़ी असमंजस की स्थिति रह सकती है। यात्रा सुखद रहेगी और परिवार में सौहार्द बना रहेगा। *(हि.स.)*

कन्या: आज परिवार के साथ घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है। निजी कार्यों को प्राथमिकता देंगे। जीवनसाथी को उपहार देकर संबंधों में मधुरता आएगी। दूसरों के मामलों में मध्यस्थता करने की स्थिति बन सकती है। प्रेम संबंधों को लेकर घर में चर्चा संभव है। *(हि.स.)*

तुला: आज किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। वैवाहिक जीवन में हल्का तनाव महसूस हो सकता है। जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। *(हि.स.)*

वृश्चिक: व्यवसाय में कड़े और अहम निर्णय लेने पड़ सकते हैं। विदेश से नौकरी या अवसर मिलने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का अनुभव हो सकता है। किसी रिश्तेदार को आर्थिक सहायता देनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य, विशेषकर श्वसन से जुड़ी सावधानी रखें। *(हि.स.)*

धनु: दिन की शुरूआत आपके लिए सकारात्मक रहेगी। संपत्ति के लेन-देन से अच्छा लाभ मिल सकता है। पुराने कर्ज चुकाने का दबाव महसूस होगा। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है। आज कुछ नया सीखने की प्रेरणा मिलेगी। *(हि.स.)*

मकर: महिलाओं के लिए स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है। वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग और लाभ मिलेगा। प्रेम संबंधों में उत्साह रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में शिक्षकों का साथ मिलेगा। संतान का व्यवहार संतोषजनक रहेगा और आय के नए स्रोत बनने के योग हैं। *(हि.स.)*

कुंभ: ऑनलाइन या डिजिटल कारोबार में लाभ की संभावना है। बच्चों की परवरिश और शिक्षा पर समय देंगे। गुप्त विरोधियों के कारण कार्यक्षेत्र में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। दूसरों के विवादों से दूरी बनाए रखें। *(हि.स.)*

मीन: परिवार के भीतर आपसी मतभेद या राजनीति से परेशानी हो सकती है। आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति में वृद्धि होगी। मेहनत का फल मिलने के संकेत हैं। कार्यस्थल पर अतिरिक्त समय देना पड़ सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना आज आवश्यक है। *(हि.स.)*

मकर संक्रांति त्योहार के पीछे के वैज्ञानिक सिद्धांत

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल (हि.स)

हर साल 14 जनवरी को हम मकर संक्रांति मनाते हैं। यह एकमात्र भारतीय त्योहार है जो सौर कैलेंडर के दिन मनाया जाता है। बाकी सभी भारतीय त्योहार चंद्र कैलेंडर के अनुसार मनाए जाते हैं इसलिए सौर कैलेंडर के अनुसार उनके मनाने के दिन हर साल बदलते रहते हैं। खगोल विज्ञान, गणित और ज्यामिति सहित प्राचीन भारतीय विषयों में संस्कृत तकनीकी शब्द ?संक्रांति? का इस्तेमाल किया जाता था।

महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक, मकर संक्रांति भारत के कई क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर नई फसल का मौसम शुरू होता है। हालांकि, मकर संक्रांति का सांस्कृतिक महत्व इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ रहते हैं; अलग-अलग राज्य इसे अलग-अलग नामों से मनाते हैं लेकिन उसी स्नेह के साथ। मकर संक्रांति का त्योहार एक खगोलीय घटना पर आधारित है: सूर्य का दक्षिणी से उत्तरी गोलार्ध में स्पष्ट ग्रहण संबंधी बदलाव। विज्ञान के अनुसार, यह सूर्य के खगोलीय भूमध्य रेखा को पार करने का संकेत देता है, जो शीतकालीन संक्रांति के बाद सूर्य के उत्तर की ओर बढ़ने की खगोलीय घटना है। सनातनी सूर्य की पूजा करते हैं और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उसे एक खगोलीय पिंड और एक सचेत देवता दोनों के रूप में देखते हैं।

मकर संक्रांति पर सुबह से शाम तक, चैतन्य चारों ओर व्याप्त रहता है। इसलिए, साधना (आध्यात्मिक अभ्यास) में लगे साधक को अधिक चैतन्य का सबसे बड़ा लाभ मिल सकता है। चैतन्य के परिणामस्वरूप साधकों में परम अग्नि सिद्धांत, या तेजतत्व भी बढ़ता है। मकर संक्रांति साधना के लिए एक उत्कृष्ट दिन है। सूर्य का उत्तर की ओर गमन सर्दियों के अंत और उत्तरी गोलार्ध में अधिक दिन की रोशनी का संकेत देता है।

अतीत में, यह कृषि चक्रों के साथ-साथ होता था: फसलें कट जाती थीं, फसलें भंडारित की जाती थीं और नई खेती की तैयारी शुरू हो जाती थी। अलाव जलाना, पतंग उड़ाना और नदी में नहाना व्यावहारिक मूल के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के उदाहरण हैं, जैसे गर्मी देना, लंबे दिनों का स्मरण करना और मौसमी नदी प्रवाह और फसल कटाई के बाद खाली समय से जुड़े औपचारिक शुद्धिकरण। मकर संक्रांति उत्सव का एक अनिवार्य घटक छत पर इकट्ठा होना और सूरज के नीचे पतंग उड़ाना है। इस प्राचीन प्रथा का वैज्ञानिक महत्व है क्योंकि, लंबी सर्दियों के बाद, सूर्य अंततः हमारी ऊर्जा को फिर से भरता है और हमारे शरीर को बैक्टीरिया और बीमारियों से शुद्ध करता है, हम खुशी-खुशी पतंग उड़ाते हैं।

सार्वभौमिक त्योहार

देश के अलग-अलग हिस्सों में इस दिन के उत्सवों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है: मध्य भारत में सुकरात, असमिया हिंदुओं में भोगली बिहू, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं में पोंगल और उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों में लोहड़ी। जिस तरह भारत के कई हिस्सों में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह एशिया के अन्य हिस्सों में भी इसे दूसरे नामों से और इसी तरह के कारणों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, मकर संक्रांति उत्सव को थाईलैंड में सोंगक्रान और कंबोडिया में मोहा संगक्रांता के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के लोग, खासकर भारतीय मूल के लोग, अपनी विरासत से जुड़ाव के कारण मकर संक्रांति मनाते हैं।

अनोखे लड्डू बनाने के लिए जो सच में इस मौके को खास बना दें, तिल और गुड़ का एक खास मिश्रण तैयार किया जाता है। इन लड्डुओं को खाने का कारण यह है कि तिल के हर दाने में तेल से मिलने वाले तत्व होते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है और उसे सुरक्षा और मुलायम बनाए रखने के लिए नमी की जरूरत होती है। इसलिए, तिल के लड्डू खाना, जो इस उत्सव का एक जरूरी हिस्सा है, यह त्वचा को नमी देता है। अक्सर तिल-गुड़ कहे जाने वाली ये मिठाइयाँ मकर संक्रांति उत्सव की परंपराओं को दिखाती हैं और माना जाता है कि ये समुदाय में सद्भाव बढ़ाती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सामाजिक समरसता

रा स्व संघ जाति, धन और सामाजिक अन्याय के कारण समाज में आई कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। छह उत्सवों में से मकर संक्रांति ऐसा उत्सव है जो समाज में सद्भाव और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देने के लिए छुआछूत और पुरानी गलत परंपराओं को खत्म करने का प्रयास करता है। इस उत्सव का लक्ष्य आंतरिक जागरूकता जगाना और भारत को उसकी पूर्व गरिमा और शान वापस दिलाने के लिए करना है। हिंदू सभ्यता बनाने वाली अलग-अलग जातियों को एक साथ आना होगा। डॉ. हेडगेवार जी के अनुसार, जब तक हिंदू समाज बंटा हुआ है, भारत माता का अस्तित्व खतरे में रहेगा। ये उत्सव डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी ने सामाजिक समता, ममता, समरसता और हिंदू एकता की विशेषताओं के अनुसार मनाना शुरू किया था, जिन्हें वे समाज के लिए जरूरी मानते थे।

हर उत्सव किसी न किसी गुण का सम्मान करता है। मकर संक्रांति स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन का भी प्रतीक है। संघ कभी भी सतही स्तर पर काम नहीं करता। नेतृत्व और स्वयंसेवकों द्वारा लिया गया हर फैसला समुदाय के हर सदस्य के प्रति करुणा और प्रेम के साथ किया जाता है। सामाजिक सद्भाव के लिए एक सदी की प्रतिबद्धता और काम के बाद, हिंदू एकता के फायदे अब साफ दिख रहे हैं। दबे-कुचले और हाशिए पर पड़े समाजों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के प्रयासों से संघ में लोगों का भरोसा बढ़ा है।

पर्यावरण की देखभाल

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्रकृति का सम्मान करने के अलावा मकर संक्रांति मनाना उनके लिए भारतीय परंपरा के प्रति वफादार रहने और मकर संक्रांति के सार को बनाए रखने का एक तरीका है।

बायोडिग्रेडेबल पतंग उड़ाना कुछ अनोखी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं में से एक है जो अब मकर संक्रांति उत्सव का एक अभिन्न अंग बन गई हैं। संघ के लिए, पारंपरिक मूल्यों और मकर संक्रांति के सार का त्याग किए बिना जीवन स्थितियों और सामुदायिक लाभों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न सामाजिक अभियानों में भाग लेना उत्सव का एक और पहलू है।

समाज में सद्भाव और प्राकृतिक दुनिया के प्रति श्रद्धा को प्रोत्साहित करने के लिए, हम अपनी ऊर्जा को फिर से भर सकते हैं, अपने मन और आत्मा को खुशी से भर सकते हैं और इस भावना को दूसरों तक फैला सकते हैं। यह मकर संक्रांति के वास्तविक महत्व और उद्देश्य का सम्मान करने में योगदान देता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पं. विद्यानिवास मिश्र: भारतीय चिंतन धारा के अप्रतिम व्याख्याकार

गिरीश्वर मिश्र (हि.स)

भारत के सांस्कृतिक इतिहास की प्रमुख त्रासदी यह थी कि अंग्रेजी उपनिवेश के दौरान भारत को भारत से अपरिचित ही नहीं बनाया गया बल्कि भारतीयों में उसके मूल स्वभाव के प्रति गहरी वितृष्णा भी पैदा की गई। स्वयं अपने प्रति घृणा के जो बीज बोए गए और उसे सुदृढ़ करने के लिए जो शिक्षा व्यवस्था रची गई उसके फलस्वरूप भारत की ज्ञान-परम्परा, सांस्कृतिक अभ्यास और जीवन पद्धति आदि संदिग्ध बना दिया गया। इसका परिणाम आत्म-निषेध के रूप में प्रतिफलित हुआ। दूसरी ओर जो पराया और प्रतिकूल था उसे बिना विचारे अंगीकार किया जाता रहा। पाश्चात्य शिक्षा और अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व का असर कुछ ऐसा हुआ कि हम घोर अनुकरण के दुश्चक्र में फँस गए। फलतः स्वतंत्र होने के बाद भी मौलिक चिंतन प्रायः अनुपस्थित रहा। मुक्त मन से अपनी स्थिति पर आत्म चेतस भाव से दृष्टिपात करने की इच्छा जाती रही। और तो और भारत की पहचान पश्चिमी दुराग्रहों और आग्रहों के साथ होने लगी।

भारत को भारत की दृष्टि से देखने की संवेदना ज्ञान की मयार्दा के विपरीत थी। फलतः हम पाश्चात्य विचार दृष्टि के खाके में ही भारत को समझने के अभ्यस्त होते गए। मनुष्य, समाज, मूल्य-बोध, प्रकृति, राज्य, व्यवस्था, तथा शिक्षा आदि के प्रश्न पश्चिमी सैद्धांतिक व्यवस्था की परिधि में विचारे जाने लगे और उन्हीं की कसौटी पर जाँचे परखे जाने लगे। इसके फलस्वरूप भारतीय मन में हीनता का भाव भी बढ़ा पर उससे अधिक हानि उस सांस्कृतिक निरक्षरता से हुई जिसे आधुनिकता के लिए एक जरूरी कदम माना गया। ऐसे में देश अजनवी होता गया और स्वतंत्र भारत में विचार का स्वराज प्रस्फुटित ही न हो सका। देश की बौद्धिक परम्परा कलात्मक विरासत, आध्यात्मिक और सामाजिक चिंतन विषयक अवदान से भी हम अनभिज्ञ होते गए। हम उधारी की विचार संपदा के बोझ तले इस तरह दबते गए कि हममें से कई लोग भारत की उस अस्मिता को प्रश्नांकित करने लगे जिसके लिए स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी।

ऐसे परिप्रेक्ष्य में भारतीय चिंतन और विचार-सरणि को सामने रखना और उसे लेकर व्याप्त दुर्व्याख्याओं और भ्रमों का प्रतिकार करना तथा उनको वर्तमान भारतीय और वैश्विक संदर्भ में विवेचित करना अपने आत्म बोध के लिए आवश्यक है। पंडित विद्यानिवास मिश्र उन थोड़े से भारतविदों में थे जिन्होंने इस कार्य को गंभीरता से लिया। बड़े मनोयोग, धैर्य और असाधारण बौद्धिक साहस के साथ यह कार्य किया।

विद्यानिवास मिश्र ने धर्म, लोक, शास्त्र, देश, काल, परम्परा, आधुनिकता जैसे प्रत्ययों को समकालीन चिंतन के प्रसंग में व्याख्यायित किया। उनका रचा साहित्य भारत को समझने और समझाने का एक विशाल उपक्रम सरीखा है। उनके ललित निबन्ध जहाँ भारत की पार्थिव गन्ध से सुवासित हैं वहीं, उनका शास्त्रीय चिंतन यहाँ की सांस्कृतिक चेतना को प्रकट करता है। वह रस की तलाश को जीवन का अभीष्ट मानते थे और उसके लिए संवाद हेतु तत्पर रहते थे। उनके लिए परम्परा वह है जो पर के भी परे यानी श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हो। वह निरंतर साध्य है। उन्होंने तंत्र, कला, रस, रीति, शब्द, लोक-जीवन आदि से जुड़े अनेक प्रश्नों का समाधान किया और कई नई स्थापनायें कीं। साहित्य का आस्वादन कराते हुए उन्होंने वाल्मीकि, वेदव्यास, भवभूति और कालिदास, मध्यकालीन भक्ति काव्य तथा आधुनिक साहित्य का सांस्कृतिक विमर्श प्रस्तुत किया।

वे संस्कृत के पंडित थे, आस्तिक हिंदू थे, हिंदी के लेखक थे, सैलानी थे, प्राध्यापक थे, आधुनिक साहित्य के अध्येता और भारतीय बोध के प्रखर प्रवक्ता थे। भारत ही नहीं यूरोप, अमेरिका आदि की यात्राओं और अनुभवों ने उनकी दृष्टि और विचार पद्धति को तीक्ष्ण किया था। उनके सांस्कृतिक विवेक ने समकालीन वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझने में मदद की। अपनी रचनाओं और वक्तृता से मिश्र जी ने सोते हुओं को जगाने, उकसाने और उन्मीलित करने के लिए अथक प्रयास किया। भारतीय संस्कृति की रसमयता और सर्जनात्मकता में मिश्र जी का अगाध विश्वास था और इस प्रतीति को वह सहजता से देखते, गुनते, सहेजते और उन्मुक्त भाव से सब के साथ साझा करते रहे।

भारतीय विश्व दृष्टि की व्याख्या करते हुए मिश्र जी मानते हैं कि मनुष्य सृष्टि का उपभोक्ता नहीं सहयात्री है। मनुष्य और प्रकृति को वे अविलग देखते हैं। उनके शब्दों में 'बाहर जो सूर्य का प्रकाश है, वही भीतर बुद्धि का प्रकाश है; बाहर जो अंधकार है, वही भीतर का भय है; बाहर जो तृण विरुध और वृक्ष में ऊपर उठने की प्रक्रिया है, वही भीतर की उमंग है। इसीलिए मनुष्य और देवता में स्पर्धा नहीं है, सहकार भाव है।'

मिश्र जी स्पष्ट रूप से कहते हैं 'जहाँ पश्चिमी चिंतन मनुष्य को केंद्र में रखता है मनुष्य अप्रतिहत बुद्धि को केंद्र में रखता है, प्रकृति पर मनुष्य की विजय को मनुष्य का पुरुषार्थ मानता है तथा पूरी सृष्टि को मनुष्य का उपभोग्य मानता है, वहाँ भारतीय हिन्दू चिंतन कोई एक केंद्र देखता ही नहीं, उसका विश्व बहु केंद्रीय है, मनुष्य के लिए देवता केंद्र है, देवता के लिए मनुष्य, वहाँ प्रकृति पर विजय नहीं प्रकृति से सामंजस्य और समग्र अस्तित्व में परम सामंजस्य स्थापित करना ही मानव जीवन का लक्ष्य है।'

वे मानते हैं कि विकास वही है जो मनुष्य को अधिक मनुष्य बनावे। वे समस्त भूतों (प्राणियों) के ऋण की परिशुद्धि ही परम पुरुषार्थ मानते हैं। भारत में मनुष्य सृष्टि के केंद्र में न हो कर मनुष्य और सृष्टि के बीच बिंबानुबिंब भाव केंद्र में रहा। मिश्र जी वस्तुओं की परस्परपूरकता और परस्पर अवलंबिता पर बल देते हैं।

आज जिस वैज्ञानिक मनोभाव की अंधभक्ति है वह शक्ति के केंद्रीकरण की और उन्मुख है। इससे अनियोजित और अविवेकपूर्ण औद्योगिक विकास शुरू हुआ। इसने खास तरह की उपभोक्ता संस्कृति को जन्म दिया। मनुष्य तकनीकी पर अवलंबित होने लगा। यह सोच कि सृष्टि मात्र हमारी उपभोग्य है, पूरी दुनिया उपभोग्य है प्रकृति विजेय है, हम विजेता हैं, गलत धारणा है। प्रकृति विमुख विकास विकृति होगा। संस्कृति में उपभोग वृत्ति का बढ़ना परिवर्तन है पर विकृति है। दूसरी तरफ परम्परा के भीतर से उन्नयन वास्तविक विकास होगा। अब 'विकास' प्रायः प्रौद्योगिक उन्नति और आर्थिक वृद्धि के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

आज की स्थिति को लेकर वह आगाह कराते हुए कहते हैं कि 'धन-संप्रभुता के बल पर तकनीकी का ज्ञान खरीद फरोख्त का विषय हुआ। इस ज्ञान से संपन्न व्यक्ति भी बिकाऊ हुआ और वह मनुष्य की आवश्यकता के अनुसार तकनीकी रचना के बजाय धन-संप्रभु के द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्पाद का महत्वपूर्ण समझने में नियोजित हुआ, जिससे कि माँग बढ़ाई जाये, माँग से अधिक लालच बढ़ाई जाये, वस्तुओं के प्रति आसक्ति बढ़ाई जाये। यह एक खतरनाक मोड़ है। इसकी ओर आगाह करना विचारशील मनुष्य का कर्तव्य है।' मिश्र जी उसे मूल्य विमर्श और मनुष्य, प्रकृति, सृष्टि के प्रसंग में स्थापित करते हैं। वे संस्कृति के स्वस्थ विकास और विकृत आधुनिकता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं।

ध्यातव्य है प्रकृति सिर्फ भौतिक जगत ही नहीं है। संस्कृति को खोकर पाया गया विकास मनुष्य को खो देता है। वे कहते हैं कि आज का विश्व संवादहीनता की मार से संत्रस्त है। इसलिए अधिक से अधिक वस्तुओं के संग्रह करने की तथा उनकी प्रभुता का मद ढोने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है और मनुष्य अकेला होता जा रहा है। उसे अविश्वास, भय और तिरस्कार इतना ग्रस लेते है कि वह मनुष्यता ही खो देता है। मनुष्य का धर्म है जुड़ना, जोड़ना और जोड़ने के व्यापार का विस्तार करना। सृष्टि के साथ सामंजस्य और साझेदारी की भावना स्थापित करना ही मानुष धर्म है। मनुष्य सृष्टि का सिरमौर इसलिए नहीं है कि वह उनके ऊपर शासन के लिए पैदा हुआ है बल्कि इसलिए कि वह उनकी सार्थकता को भी अपने संपर्क से, अपनी करुणा से, अपनी भावना और अपनेपन से पूर्ण सार्थकता दे सकता है। आज के वैश्विक संदर्भ में इस प्रकार की सोच आशा का संचार करती है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

मान द्वारा राज्य के पहले स्टार्टअप कॉन्क्लेव का उद्घाटन; नवाचार और कड़ी मेहनत को स्टार्टअप की सफलता की रीढ़ बताया

पंजाब ने अपने उभरते इनोवेशन इकोसिस्टम का किया प्रदर्शन, 100 से अधिक स्टार्टअप्स ने लिया हिस्सा; पंजाब सरकार ने राज्य में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए सीड ग्रांट्स वितरित कीं

सिटी दर्पण संवाददाता
फगवाड़ा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कपूरथला स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एल.पी.यू.) में राज्य के पहले स्टार्टअप पंजाब कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया, जिसके तहत नवाचार, कड़ी मेहनत और उद्यमिता को सरकार के आर्थिक दृष्टिकोण में प्रमुख प्राथमिकता दी गई है। पंजाब सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित यह स्टार्टअप पंजाब कॉन्क्लेव 2026 एक प्रमुख राज्य-स्तरीय मंच के रूप में उभरा है, जो नवाचार, उद्यमिता और राज्य के तेजी से विस्तार कर रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम को दर्शाता है।

100 से अधिक स्टार्टअप्स की भागीदारी, उद्यमों को सीड ग्रांट्स का वितरण तथा उद्योगपतियों, निवेशकों, इनक्यूबेटरों, अकादमिक विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को एक ही छत के नीचे लाकर मुख्यमंत्री सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि नए कारोबारी विचारों को सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। उन्होंने पंजाब के युवाओं को रोजगार पैदा करने वाला बनने के लिए प्रेरित किया और युवाओं की अगुवाई वाले विकास को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अपडेट रहने तथा उद्यम सृजन की नई सोच अपनाने का आान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब का भविष्य नौकरियों की तलाश में नहीं, बल्कि उद्यमिता अपनाने में है।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान उद्यमियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट उद्देश्य पंजाब के युवाओं को नौकरी ढूंढने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनाना है और उन्हें अपनी अलग पहचान बनाने के योग्य बनाना है। उन्होंने कहा, हृहम चाहते हैं कि राज्य के युवा नौकरी ढूंढने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनें, ताकि वे अपनी अलग पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि पंजाबी स्वभाव से ही इंजीनियर और जन्मजात उद्यमी होते हैं, इसलिए, वे जिस भी राह को चुनते हैं, उसमें सफलता हासिल करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार पंजाबियों के सपनों को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस दिशा में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने अपडेट रहने और उद्यम सृजन का नारा देते हुए कहा, हृफंड्स की कोई कमी नहीं है और

सरकार कारोबारी नेताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए हर विचार पर पूरी मदद करेगी।

अपनी हालिया जापान यात्रा के अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पष्ट दृष्टिकोण से ही देश प्रगति करते हैं।' उन्होंने कहा, हृजापान में परिवहन के हर साधन को सिंगल विंडो के माध्यम से सुलभ बनाया गया है। जापान के पास भविष्य को देखने का दृष्टिकोण है।' उन्होंने राइजिंग स्टार और राइजिंग सन जैसी कंपनियों को सकारात्मक मानसिकता के उदाहरण के रूप में बताया, जिनके कारण उनकी औसत आयु 100 वर्षों से अधिक है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब के युवाओं से ऐसी ही अग्रगामी सोच अपनाने की अपील की और इसे सफलता की कुंजी बताया।

जापान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी नागरिक अपने सपनों को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम करते हैं, जिससे उनकी आयु भी लंबी होती है। उन्होंने कहा, हृपंजाबियों के वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपनी क्षमता को बेहतर ढंग से सिद्ध करने के लिए इन गुणों को अपनाना चाहिए। पंजाब सरकार आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर और ठोस प्रयास कर रही है और यह सरकार का नैतिक दायित्व है।

इस सम्मेलन पर विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंजाब के नवाचारी और तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम को वैश्विक स्तर पर उजागर करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के दौरान उद्यमियों, निवेशकों, अकादमिक विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक ही मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पंजाब के युवाओं की उपलब्धियों को उजागर करना और दूसरों को प्रेरित करना है तथा यह गर्व और संतोष की बात है कि राज्य भर से 100 से अधिक स्टार्टअप्स इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस आयोजन के दौरान पंजाब में स्थित 15 से अधिक इनक्यूबेटर्स और पांच से अधिक सहायक संस्थाओं ने अपनी पहलों को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार आठ स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन चेक प्रदान कर रही है, जिनमें सात स्टार्टअप्स को सीड ग्रांट के रूप में 3-3 लाख रुपये और प्रत्येक स्टार्टअप को लीज रेंटल सहायता के रूप में 1.20 लाख रुपये दिए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि स्टार्टअप केवल कारोबार नहीं होते, बल्कि ये रोजगार के नए अवसर सृजित करने और राज्य के आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पिछली सरकारों की कड़ी आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले लोग नए उद्यम शुरू करने से डरते थे, क्योंकि नेता उनके उद्यमों में हिस्सा मांगते थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नेताओं ने जनता को लूटा और उनके हाथ पंजाब और पंजाबियों के खून से रंगे हुए हैं, जबकि इसके विपरीत अब आम लोगों की सरकार हर नागरिक को जीवन में सफल होने का उचित अवसर दे रही है।

पंजाब सरकार के दीर्घकालिक विजन को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार का सपना है कि पंजाब के युवा नौकरी ढूंढने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में जमीनी स्तर की चुनौतियों का समाधान करने वाले स्टार्टअप्स को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप पंजाब राज्य में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास कर रही है, जिसमें महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स और नए उद्यमों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब का मजबूत औद्योगिक आधार और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा स्टार्टअप विकास के लिए अनुकूल है और राज्य की प्रगति की नींव अब नवाचार और उद्यमिता के मार्ग पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने निवेशकों और उद्योगपतियों से पंजाब के युवाओं की प्रतिभा पर विश्वास करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए साझेदार बनने का आान किया।

राज्य सरकार की बिजनेस ब्लास्टर्स मुहिम के तहत युवाओं को एकजुट होने और नवोन्मेषी विचारों की खोज करने का आान करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के विद्यार्थी अनूठे विचारों से भरपूर हैं, लेकिन अक्सर उन्हें मान्यता और प्रोत्साहन की कमी रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम उदाहरणों से भरी उस दुनिया में रहते हैं, जहां सफलता केवल प्रस्तुति पर नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत पर निर्भर करती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सपने वे नहीं होते जो नींद में देखे जाते हैं, बल्कि असली सपने वे होते हैं जो सोने नहीं देते।

युवाओं को अल्पकालिक प्रसिद्धि से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें समाज के लिए प्रकाश स्तंभ बनने का आान किया। ट्रूथपेस्ट कंपनी की बिक्री बढ़ाने के उदाहरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक साधारण और व्यावहारिक विचार ने एक कंपनी की किस्मत बदल दी। भगवंत सिंह मान ने गर्व से कहा कि मास्टरकार्ड के सीईओ की तरह सिग्नी और जोमैटो के संस्थापक भी पंजाबी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सपनों को उड़ान देने के लिए एक रनवे के रूप में काम कर रही है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा, लोकसभा सदस्य डॉ. राजकुमार चब्बेवाल, राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शैक्षणिक दस्तावेजों की डिजिटल वेरिफिकेशन के लिए ई-सनद शुरू करने वाला दूसरा राज्य बना पंजाब

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य के विद्यार्थियों के लिए लाइनों में खड़े रहने, कागजी कार्यवाही और हफ्तों की लंबी प्रतीक्षा को समाप्त करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी शैक्षणिक दस्तावेजों की ऑनलाइन सत्यापन और प्रमाणीकरण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म हृई-सनद लॉन्च किया है। इसके साथ ही पंजाब यह डिजिटल सेवा शुरू करने वाला भारत का दूसरा राज्य बन गया है।

आज यहाँ पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की हृई-सनद सेवा की शुरूआत के साथ बोर्ड के वर्तमान और पूर्व विद्यार्थी विस्तृत अंक-सूची (डीएमसी) और प्रमाणपत्रों का ऑनलाइन सत्यापन अब मात्र कुछ ही दिनों में करवा सकेंगे, जबकि पहले इसमें

40झ45 दिन लगते थे। सरकार के अनुसार, इस कदम से पंजाब स्कूल बोर्ड से हर वर्ष पास होने वाले हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा तथा बोर्ड द्वारा जारी प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही उच्च शिक्षा, रोजगार और विदेश जाने के लिए तेजी से सत्यापन सुनिश्चित हो सकेगा। इस डिजिटल सेवा के शुभारंभ के बाद पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि यह सुविधा पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के वर्तमान और पूर्व विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है, जिन्हें बोर्ड द्वारा जारी मार्कशीट और प्रमाणपत्रों का उच्च शिक्षा, रोजगार, पेशेवर आवश्यकताओं तथा विदेशों में सत्यापन करवाने की आवश्यकता होती है। स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब हृई-सनद को लागू करने वाला भारत का दूसरा राज्य बन गया है, जो बोर्ड की डिजिटल गवर्नेंस और निर्बाध सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा इसके शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की वैश्विक विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करता है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि बोर्ड से संबद्ध स्कूलों से प्रतिवर्ष पास होने वाले लगभग 3 लाख विद्यार्थी और पूर्व वर्षों के पास-आउट विद्यार्थी अब इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हृई-सनद के अंतर्गत बोर्ड अपने रिकॉर्ड के अनुसार दस्तावेजों का डिजिटल रूप से सत्यापन करता है और उन्हें विदेश मंत्रालय (एमईए) के माध्यम से प्रमाणित किया जाता है। यह सेवा हेग कन्वेंशन देशों (अपोस्टिल) तथा गैर-हेग देशों (एमईए के साथ-साथ दूतावास सत्यापन, यदि आवश्यक हो) को कवर करती है।

हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के 21 अस्थायी कर्मचारियों को रेगुलराइजेशन सर्टिफिकेट सौंपे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की कर्मचारियों के प्रति स्नेही प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए एक उदाहरणात्मक कदम के तहत पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पी.एस.ई.बी.) में ठेके पर काम कर रहे 21 कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करते हुए उन्हें रेगुलराइजेशन सर्टिफिकेट सौंपे।

स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि हृपॉलिसी फॉर वेलफेयर ऑफ एडहॉक, कॉन्ट्रैक्टुअल, डेली वेजेज, वर्क-चार्ज्ड एंड टेम्परेरी एम्प्लॉयीज के तहत 16 पैकर, 2 कुक, 2 वेटर और एक ड्राइवर को स्थायी करके सरकारी सेवाओं में शामिल किया गया है।

हरजोत सिंह बैंस ने इन कर्मचारियों को दिल से बधाई देते हुए कहा कि यह सर्टिफिकेट इन कर्मचारियों को सम्मान, सुरक्षित नौकरी और सामाजिक स्तर पर और मजबूत करने के बारे में है, जो हमारी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यह रेगुलराइजेशन प्रक्रिया हमारे चुनाव वादे की प्रतिबद्धता को पूरा करती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी योग्य कर्मचारी स्थायी नौकरी के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों द्वारा दी गई अथक सेवाओं के कारण वे इस रेगुलर होने का लाभ लेने के हकदार हैं।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह कदम मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और उन्हें विकास के बराबर अवसर प्रदान करने के वादे के मुख्य सिद्धांत की प्रतिनिधित्व करता है। यह रेगुलराइजेशन प्रक्रिया कर्मचारियों और उनके परिवारों को पूर्ण राहत प्रदान करती है और उन्हें बोर्ड द्वारा दिए जा रहे सेवा लाभों तक पहुंच प्रदान करती है। यह लंबे समय से चली आ रही मांग को हल करने और अनियमित सेवाओं में लगे कर्मचारियों को नियमित करने के राज्य सरकार के संकल्प को और मजबूत करती है।

इस मौके पर पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह और अन्य उच्च अधिकारी भी मौजूद थे।

केंद्र की मोदी सरकार देश को डिक्टेटरशिप की ओर धकेल रही है : हरचंद सिंह बरसट

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

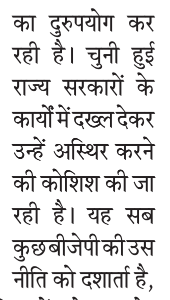

आम आदमी पार्टी, पंजाब के राज्य महासचिव स. हरचंद सिंह बरसट ने केंद्र की मोदी सरकार की कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश को डिक्टेटरशिप की ओर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, आज केंद्र सरकार की तानाशाही सोच के कारण संकट में है। स. बरसट ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की ओर से ईडी, विजिलेंस और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक पार्टी या नेता बीजेपी की नीतियों का विरोध करता है, उसे झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की जाती है, जोकि लोकतंत्र के बिल्कुल खिलाफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार देश में विरोधी आवाजों को दबाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। चुनी हुई राज्य सरकारों के कार्यों में दख्ल देकर उन्हें अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। यह सब कुछ बीजेपी की उस नीति को दशार्ता है, जो राज्यों के अधिकारों को कमजोर करना चाहती है। स. बरसट ने कहा कि भारतीय संविधान के तहत राज्यों को मिले अधिकारों को लगातार कमजोर किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा बंद कर मजदूरों की रोजी-रोटी छीनने की साज़िश, जी.एस.टी. के केंद्रीकरण के माध्यम से राज्यों की आमदन छीनना, पंजाब के 50 किलोमीटर क्षेत्र तक बीएसएफ की सीमाएं बढ़ाना, पंजाब के फंड जारी न करना, विकास कार्यों में बाधाएं डालना और लोकहित के फैसलों को रोकना, ये सभी कदम देश के संघीय ढांचे और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

हरदीप सिंह मुंडियां ने नव-नियुक्त उम्मीदवारों को सौंपे नियुक्ति पत्र

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहां पंजाब भवन में जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के ग्रुप-डी के 12 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। ये नियुक्तियां परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मृत्यु के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे जरूरतमंद परिवारों की सहायता हेतु अनुकंपा के आधार पर रोजगार देने संबंधी पंजाब सरकार की नीति के तहत की गई हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इन 12 उम्मीदवारों में से एक को क्लर्क, आठ को सेवादार, एक को सफाई सेवक तथा दो को हेल्पर टेक्निकल के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा विभागीय क्षमता को और मजबूत करने तथा जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में यह

एक मिसाल कायम करने वाला कदम है। पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियों को नजरअंदाज किया गया और इस प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की गई। उन्होंने ध्यान दिलाया कि आज नियुक्त हुए उम्मीदवारों में से दो के पिता का निधन क्रमशः वर्ष 2017 और 2018 में हो गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के दौरान उन्हें नौकरी से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने त्वरित और निष्पक्ष निर्णय लेते हुए इन युवाओं को रोजगार प्रदान किया।

नव-नियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए खुशी व्यक्त करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मान सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण पर समान रूप से ध्यान देते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें सुरक्षित रोजगार उपलब्ध कराकर अपनी ज़िम्मेदारी निभाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए कर्मचारी अपनी ड्यूटी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे तथा पंजाब के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

इस अवसर पर विभाग के प्रमुख हरप्रीत सिंह और विभाग के मुख्य अभियंता उपस्थित थे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पर नव-नियुक्त उम्मीदवारों तथा उनके पारिवारिक सदस्यों ने कैबिनेट मंत्री और पंजाब सरकार का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन को मिला नया वाइस चेयरमैन

बठिंडा। पंजाब सरकार ने व्यापारियों को राहत देने और उनके हितों की प्रभावी पैरवी के उद्देश्य से गठित पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन (ढरळउ) को मजबूती देते हुए अनिल ठाकुर को इसका वाइस चेयरमैन नियुक्त किया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अनिल ठाकुर राज्य स्तर पर व्यापारियों के मुद्दों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में इस अहम भूमिका में कार्य करेंगे।पंजाब के गवर्नर द्वारा गठित यह आयोग व्यापारियों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को जमीनी स्तर पर लागू करने, उनकी समस्याओं के समाधान और सरकारी नीतियों को सरल बनाने की दिशा में काम करेगा। अनिल ठाकुर की नियुक्ति को व्यापारिक समुदाय के लिए एक सकारात्मक और भरोसेमंद कदम माना जा रहा है। पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन राज्य, जिला और विधानसभा क्षेत्र–तीन स्तरों पर कार्य करेगा। वाइस चेयरमैन के तौर परअनिल ठाकुर की भूमिका राज्य स्तर पर व्यापारियों की चिंताओं को सरकार तक पहुंचाने और नीतिगत फैसलों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की होगी।व्यापारियों को मिलेगा सीधा मंच यह आयोग एक शिकायत निवारण फोरम के रूप में कार्य करेगा, जहां स्थानीय बाजारों से जुड़ी समस्याएं, रेगुलेटरी अड़चनें, नगर निगम, पुलिस, खाद्य आपूर्ति, श्रम और कराधान से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जाएगा। इसके साथ-साथ व्यापारियों के लिए चलाई जा रही वेलफेयर स्कीमों और जागरूकता अभियानों की निगरानी भी की जाएगी। बिना किसी वित्तीय बोझ के सेवासरकार ने स्पष्ट किया है कि आयोग के चेयरमैन और सदस्य ऑनरेरी आधार पर कार्य करेंगे और इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। आयोग का कार्यकाल प्रारंभ में दो वर्ष का होगा। व्यापारिक संगठनों में खुशी की लहर अनिल ठाकुर की नियुक्ति से प्रदेश के व्यापारिक संगठनों में उत्साह है। व्यापारियों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और समझ से व्यापार-अनुकूल माहौल बनेगा और लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान तेजी से होगा।

किसान 2 लाख की लागत से स्थापित कर सकते हैं एक छोटा मशरूम उत्पादन यूनिट, मान सरकार 80 हजार तक की सब्सिडी दे रही है : मोहिंदर भगत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार किसानों को पारंपरिक खेती से बागवानी की ओर प्रेरित करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है, जिससे बागवानी और अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बन रही है। पंजाब के बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने बताया कि ₹2 लाख की लागत वाले छोटे मशरूम उत्पादन यूनिट स्थापित करने के लिए राज्य सरकार किसानों को ₹80,000 तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। इस संबंध में अधिक जानकारी साझा करते हुए बागवानी मंत्री श्री भगत ने कहा कि किसान मशरूम की खेती में कम निवेश करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं और इसके लिए कम भूमि तथा कम पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि एक छोटा मशरूम यूनिट सामान्यतः लगभग 200 वर्ग फुट क्षेत्र में स्थापित किया जा सकता है। पंजाब के बागवानी विभाग द्वारा इस परियोजना के लिए ₹2 लाख की लागत पर 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। सब्सिडी प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बागवानी मंत्री ने कहा कि इस कार्य में रुचि रखने वाले किसान अपने नजदीकी ज़िला बागवानी अधिकारी से संपर्क कर योजना के अंतर्गत पंजीकरण करवा सकते हैं। किसानों को आधार कार्ड, भूमि से संबंधित जानकारी, बैंक खाते का विवरण और फोटोग्राफ जमा करवाने होंगे। विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी सहायता से संबंधित जानकारी भी प्रदान की जाती है।

भाजपा नेता ने मोदी और अमित शाह से निर्णायक कार्रवाई की अपील की

भारत में गढ़े जा रहे जेन जेड असंतोष पर वैश्विक चेतावनी: सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

राष्ट्रीय भाजपा नेता एडवोकेट सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल भुखड़ी कलां ने आज राष्ट्र के नाम एक भावपूर्ण, ईमानदार और गहरी चिंता से भरी अपील जारी की, जिसमें उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह तथा भारत सरकार से, सभी केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों और खुफिया संस्थानों के साथ मिलकर, पूर्ण सतर्कता बरतने और अग्रिम एवं निवारक कदम उठाने का आग्रह किया, ताकि देश के युवाओं की भावनाओं का दुरुपयोग कर भारत में अस्थिरता पैदा करने के किसी भी प्रयास को समय रहते रोका जा सके।ग्रेवाल ने कहा कि उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों फेसबुक, लिंक्डइन, पिंटरेस्ट, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स और विशेष रूप से एक्स के माध्यम से यह बात रखी है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अधिक डिजिटल रूप से जुड़ी हुई जेन जेड आबादी से संपन्न है। ये युवा भारतीय बुद्धिमान, संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, सामाजिक न्याय तथा रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर गहराई से प्रतिबद्ध हैं। उनकी चिंताएं वास्तविक हैं और उन्हें सम्मान एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि विश्व इतिहास यह भी बताता है कि इन्हीं भावनाओं को शक्तिशाली ताकतें तोड़-मरोड़ कर, सरल बनाकर और हथियार बनाकर अस्थिरता फैलाने के लिए इस्तेमाल करती रही हैं।उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में सोशल मीडिया ने वैश्विक राजनीतिक लामबंदी की प्रकृति ही बदल दी है। अरब स्प्रिंग से लेकर श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तक की राजनीतिक उथल-पुथल में डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल जनभावनाओं की अभिव्यक्ति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्हें कथानक गढ़ने, गुस्सा भड़काने, भीड़ जुटाने और सरकारों को अस्थिर करने के लिए भी इस्तेमाल किया गया। जो कुछ वास्तविक जन-आक्रोश से शुरू हुआ, वह छिपे हुए हितों और संगठित नेटवर्कों के हस्तक्षेप से अराजकता में बदल गया।ग्रेवाल ने बताया कि आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत और स्थिर नेतृत्व में राजनीतिक रूप से स्थिर, आर्थिक रूप से सक्षम और वैश्विक रूप से सम्मानित राष्ट्र के रूप में खड़ा है। बड़े पैमाने पर अवसंरचना विकास, डिजिटल शासन, कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी और लगातार जनादेश ने शासन व्यवस्था में निरंतरता और विश्वास पैदा किया है। ऐसी स्थिरता, उनके अनुसार, भारत को पारंपरिक

तरीकों से अस्थिर करना कठिन बनाती है, और यही कारण है कि कुछ ताकतें अब युवाओं की भावनाओं को भड़का कर अशांति पैदा करने की कोशिश कर सकती हैं।उन्होंने आगे कहा कि पड़ोसी देशों में जेन जेड-प्रेरित आंदोलनों ने राजनीतिक उथल-पुथल, अस्थिरता और आर्थिक नुकसान को जन्म दिया है। वहीं भारत में भी कुछ राजनीतिक आवाजों और मीडिया के हिस्सों द्वारा जेन जेड पर अचानक और आक्रामक ध्यान केंद्रित करना, तथा वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और खनन जैसे मुद्दों पर भावनात्मक अभियानों को बढ़ावा देना, गंभीर प्रश्न खड़े करता है।ये मुद्दे महत्वपूर्ण और वास्तविक हैं, लेकिन जब इन्हें जागरूकता के बजाय आक्रोश और संवाद के बजाय टकराव के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो यह अत्यंत खतरनाक हो जाता है।ग्रेवाल ने कहा कि जब समझ की जगह गुस्सा ले लेता है, तो यह भारत जैसे बड़े, विविध और संवेदनशील देश के लिए अत्यंत घातक हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के युवाओं को कभी भी अस्थिरता, दुष्प्रचार या मनोवैज्ञानिक युद्ध के औजार नहीं बनने दिया जाना चाहिए।उन्होंने विनम्रता और देशभक्ति के साथ प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा संपूर्ण केंद्रीय एवं राज्य नौकरशाही, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय विदेश सेवा शामिल हैं, से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि भारत के युवा किसी भी प्रकार के हेरफेर और दुष्प्रचार से सुरक्षित रहें। उनकी ऊर्जा को राष्ट्र-निर्माण, नवाचार और लोकतांत्रिक भागीदारी में लगाया जाना चाहिए, न कि अदृश्य ताकतों द्वारा रची गई अराजकता में है।ग्रेवाल ने कहा कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और भारत की जेन जेड उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हृकिसी को भी इस ताकत को भारत के खिलाफ हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हमारे युवा एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध भारत के निमार्ता बने रहें,उन्होंने दृढ़ता से कहा है।

अमेरिका ने कहा- ईरान ने सारी हदें पार की सैन्य आक्रमण के मजबूत विकल्पों पर विचार

ईरान के नेता हिंसा के जरिये राज करते हैं: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि ईरान ने सारी हदें पार कर दी हैं। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। अब बर्दाश्त करना मुश्किल है। अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ हमले के लिए मजबूत विकल्पों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ने इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। वह एलन मस्क से स्टारलिंक के लिए बात करेंगे।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, " अमेरिका ईरान को लेकर बहुत ही मजबूत विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहां के शासन ने सारी हदें पार कर दी हैं। अब फैसला लेने का वक्त आ गया है।" उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का नाम लिए बिना कहा कि ईरान के नेता हिंसा के जरिये राज करते हैं। उन्होंने ईरान की हमले की धमकी के बारे में पूछे जाने पर कहा, "अगर ईरान ऐसा करता है तो उस पर अब तक का सबसे बड़ा आक्रमण किया जाएगा।" ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के प्रदर्शनकारियों को स्टारलिंक की सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में एलन मस्क से बात करेंगे।

अमेरिका में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में रैली, भीड़ में घुसा ट्रक

वाशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के वेस्टवुड इलाके में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आहूत रैली में एक ट्रक घुस गया। रविवार दोपहर विल्शायर बुलेवार्ड के 11000 ब्लॉक में विल्शायर फेडरल बिल्डिंग के बाहर होने वाली रैली में शामिल होने के लिए सैकड़ों लोग जुटे थे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान एक ड्राइवर ने कथित तौर पर भीड़ में ट्रक घुसा दिया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। लॉस एंजिल्स दमकल विभाग के अनुसार, ट्रक दोपहर लगभग 3:30 बजे वेटरन एवेन्यू और ओहियो एवेन्यू के पास फेडरल बिल्डिंग से लगभग एक ब्लॉक दूर भीड़ में घुस गया। अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी की सूचना नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में अधिकारियों को एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए दिखाया गया है। इस व्यक्ति को ट्रक से नीचे उतारकर ले जाया गया। इस दौरान भीड़ ने उस पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि ट्रक के ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद शाम 4:30 बजे रैली की गई। लोगों ने ईरान की आजादी के नारे लगाए। कुछ लोगों ने ईरानी झंडा भी लहराया।

फोटोः हि.स.

नेपाल के पूर्व गोरखा सैनिक और दिव्यांग पर्वतारोही हरि बुद्ध मगर ने रचा इतिहास

- सात महाद्वीपों की ऊंची चोटियों पर फहराया देश का झंडा

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के रोल्पा जिले के मिरुल गांव में 46 वर्ष पहले जन्मे हरि बुद्ध मगर आज साहस और जिजीविषा का प्रतीक बन चुके हैं। पूर्व गोरखा सैनिक मगर ने अंटार्कटिका स्थित माउंट विंसन (4,892 मीटर) पर तीन दिन की कठिन चढ़ाई पूरी कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 06 जनवरी को शिखर पर पहुंचकर अपने लक्ष्य को पूरा किया।

माउंट विंसन के शिखर पर नेपाल का झंडा फहराने के बाद उन्होंने उस क्षण को जादुई बताया। उन्होंने कहा, जहां तक नजर जाती थी, बर्फ ही बर्फ थी। वह अनुभव स्वर्ग जैसा था। मगर 06 जनवरी को रात 10 बजे अपने नेपाली पर्वतारोहण दल के साथी अभिरल राय, मिंगमा शेरपा और जांगबु शेरपा के साथ माउंट विंसन के शिखर पर पहुंचे। वे अंटार्कटिका के यूनियन ग्लेशियर बेस कैंप से रवाना हुए थे। इस कैंप पर 24 घंटे रहता है। मगर ने दोनों घुटनों के ऊपर से पैर कटने के बावजूद सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बनने का कीर्तिमान बनाया है। इस दौरान उन्होंने माइनस-25 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को भी सहन किया। उन्होंने कहा, अपनी क्षमताओं को पहचानकर हम हर दिन अपने सपनों के एवरेस्ट पर चढ़ सकते हैं। मैं इस बात का जीवंत प्रमाण हूं कि कड़ी मेहनत सफलता दिलाती है। मगर ने वर्ष 2010 में अफगानिस्तान में ब्रिटिश सेना के साथ सेवा के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल होने के बाद अपने दोनों पैर खो दिए थे। इसके बाद उन्होंने कई वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से कड़ा प्रशिक्षण लेकर इस रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि की तैयारी की। अपने संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को कभी भी महत्वाकांक्षाओं की सीमा नहीं बनना चाहिए। माउंट विंसन की चढ़ाई के दौरान की कठिनाइयों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि तेज हवाओं और अत्यधिक ठंड ने उन्हें अपनी सीमाओं तक पहुंचा दिया। मेरी उंगलियां जम गई थीं और चेहरे पर ठंड से जलन हो रही थी। कई बार मुझे खुद पर संदेह हुआ। उन्होंने बताया कि अडिग आत्मविश्वास ने ही उन्हें इन परिस्थितियों से उबारा। युद्धकालीन अनुभवों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हर कार्य में चुनौतियां होती हैं, लेकिन स्वयं पर विश्वास और अथक प्रयास से सफलता संभव है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इससे नेपाल का गौरव भी बढ़ेगा। इस यात्रा में साथ देने वाले सभी लोगों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मगर ने 'सेवन समिट्स' यात्रा की शुरुआत 13 अगस्त 2019 को फ्रांस के मों ब्लां (4,809 मीटर) से की। इसके बाद उन्होंने 08 जनवरी 2020 को तंजानिया के किलिमंजारो (5,895 मीटर) और 19 मई 2023 को माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ाई की।

ईरान में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन जारी, हिंसा में अब तक 538 की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान (ईरान)

ईरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के धर्मतंत्र को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान शनिवार रात और रविवार सुबह देश की राजधानी और दूसरे सबसे बड़े शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए। अमेरिकी ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, 28 दिसंबर से हो रहे प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में इंटरनेट बंद होने और फोन लाइनें कटी होने के कारण दूसरे देशों से सही स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों और ईरान के सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में से 490 प्रदर्शनकारी और 48 सुरक्षा बलों के सदस्य हैं। अब तक 10,600 अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरानी सरकार ने हताहतों की कोई समग्र संख्या नहीं बताई है।

काठमांडू के मेयर बालेन शाह देंगे इस्तीफा, केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह (बालेन) मेयर पद से इस्तीफा देकर आगामी आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापाझ्र5 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनके सचिवालय के अनुसार, वह इसके लिए आवश्यक तैयारी में जुटे हुए हैं। झापा-5 नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली का निर्वाचन क्षेत्र है। ओली यहां से लगातार निर्वाचित होते रहे हैं। सचिवालय ने बताया कि बालेन उसी निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला करने की तैयारी के तहत झापा के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं। रविवार को भी बालेन ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) झापा के अध्यक्ष प्रकाश पाठक सहित अन्य नेताओं से बातचीत की। बालेन के निजी सचिव भूपदेव शाह ने कहा, मेयर साहब झापाझ्र 5 से केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हमारी टीम वहां मत सर्वेक्षण भी कर रही है। इसी क्रम में आज भी उन्होंने वहां के नेताओं से मुलाकात कर स्थिति को समझा। शाह के अनुसार, वह 19 जनवरी तक अपने पद से इस्तीफा देकर 20 तारीख को नामांकन दाखिल करने के लिए झापा जाने की योजना बना रहे हैं।

अज्ञात हाईवा की भीषण टक्कर से स्कार्पियो सवार एक ही परिवार के चार युवकों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
गढ़वा

गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलचंपा गांव के पास अज्ञात हाईवा की भीषण टक्कर से स्कार्पियो सवार एक ही परिवार के चार युवकों की रविवार की रात मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि स्कार्पियो पूरी तरह चकनाचूर हो गई और शव वाहन में बुरी तरह फंस गया। मृतकों की पहचान पलामू जिले के पांडु थाना क्षेत्र के लवर पांडु गांव निवासी लखन पासवान के पुत्र नरेंद्र कुमार पासवान (30), शंभु पासवान का पुत्र जितेंद्र पासवान (28), विश्रामपुर थाना क्षेत्र के भंडार गांव निवासी मनोज पासवान का पुत्र बादल पासवान (20) तथा अशोक पासवान का पुत्र बिक्की कुमार (18) के रूप में हुई है। चारों आपस में करीबी रिश्तेदार थे। जानकारी के अनुसार सभी युवक स्कार्पियो से श्रीबंशीधर नगर थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव गए थे, जहां जितेंद्र पासवान की मौसेरी बहन की सगाई थी। समारोह की खुशियां लेकर देर रात लौटते समय बेलचंपा गांव के पास तेज रफ्तार हाईवा ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कार्पियो सड़क किनारे पिचक गई, जबकि हाईवा चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

फोटोः हि.स.

सूचना मिलते ही गढ़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कटर मशीन की मदद से वाहन को काटकर कड़ी मशक्कत के बाद चारों शव बाहर निकाले गए और पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचते ही स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जवान बेटों की लाशें देखकर पूरा परिसर शोक में डूब गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि गढ़वाझ्ररेहला मार्ग पर रात के समय हाईवा व अन्य भारी वाहनों की तेज रफ्तार आम हो चुकी है। कई बार शिकायत के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। पुलिस ने बताया कि अज्ञात हाईवा की तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के आधार पर चालक की पहचान की जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स का आईपीओ

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स का 35.22 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 56 रुपये से लेकर 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,36,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 59,70,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 29 करोड़ रुपये के 48,76,000 नए शेयर और पांच करोड़ रुपये के 7,94,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 9 जनवरी को अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स ने 5 एंकर इनवेस्टर्स से 9.97 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में फॉर्च्यून हैंड्स ग्रोथ फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इस एंकर इनवेस्टर ने कंपनी से 5,86,000 शेयर खरीदे।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ, ट्रेंट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.69 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल, अदानी पोर्ट्स, एटरनल और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 2.02 प्रतिशत से लेकर 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना हुआ था। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल हुए। डाउ जॉन्स जोरदार तेजी दिखाते हुए 49,500 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,966.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 201.81 अंक यानी 0.86 प्रतिशत उछल कर 23,681.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के खिलाफ क्रिमिनल जांच शुरू हो जाने के कारण आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 204.71 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,299.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ नर्मदेश ब्रास का आईपीओ, 15 जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ब्रास मैन्युफैक्चरिंग कंपनी नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज का 44.87 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 15 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 16 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 19 जनवरी को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 20 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 515 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 240 शेयर का है। नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 480 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,47,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,71,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 34 करोड़ रुपये के 6,55,200 नए शेयर और नौ करोड़ रुपये के 1,70,400 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.38 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आर्यमन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.10 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 5.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 4.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मजबूती बनी रही।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई के समक्ष पेश हुए टीवीके अध्यक्ष व अभिनेता विजय

नई दिल्ली। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता विजय सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश हुए। सीबीआई मुख्यालय में उनसे करूर भगदड़ मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ शुरू हो गई है। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक सीबीआई दफ्तर के बाहर जुटे हैं। समर्थक उनकी पार्टी का झंडा हाथों में लिए सुबह से बाहर खड़े हैं। इस दौरान समर्थकों ने अभिनेता विजय के लिए नारेबाजी भी की। यह पेशी 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर जिले में टीवीके के एक चुनावी अभियान कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ से जुड़ी है, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। घटना की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई ने इस महीने की शुरूआत में विजय को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 179 के तहत नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। नोटिस में 6 जनवरी को पेश होने की तारीख दी गई थी।

रेलवे कर्मचारी की हत्या, दोस्त गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
बागपत

उत्तर प्रदेश के बागपत में रमाला थाना क्षेत्र में आठ जनवरी को मिले सब की पहचान दीपक के रूप में हुई थी। हत्या के आरोप में रवि कंबोज निवासी लूम्ब को गिरफ्तार किया गया है। रविवार देर शाम इसकी गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने सोमवार को आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। रमाला थाना क्षेत्र में आठ जनवरी को मिले शव की पहचान दीपक नाम के युवक के रूप में हुई थी जो अंबाला कैंट के दिलीप गढ़ का रहने वाला था और रेलवे में टेक्नीशियन था। रमाला थाना पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि लूम्ब गांव का रहने वाला रवि कंबोज समालखा में रह रहा है और दिल्ली रेलवे में कर्मचारी है। रवि कंबोज ने दीपक के छोटे भाई की रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर 30 लाख रुपए लिए थे लेकिन लौटा नहीं रहा था। दोनों के बीच विवाद था रवि कंबोज ने सात जनवरी को दीपक को बुलाया और 5 लाख देने की बात कही। दीपक जब पैसे लेने आया तो दोनों ने शराब पी और जब दीपक शराब के नशे में बेहोश हो गया तो रवि ने उसकी चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित रवि को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से हत्या में प्रयुक्त सामान भी बरामद किया गया है। एसपी सूरज कुमार राय का कहना है की हत्या में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। अभी मामले की जांच जारी है।

पुलिस मुठभेड़ में एक गौ तस्कर को लगी गोली, दो गिरफ्तार, एक फरार

एजेंसी (हि.स.)
जौनपुर

यूपी के जौनपुर स्थित शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र में एसओजी स्थानीय पुलिस और गौतस्कर बदमाशों के बीच सोमवार को हुई मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान अपराधियों के कब्जे से 4 जीवित और 2 मृत गौवंश भी बरामद किए गए। एक पुरस्कार घोषित अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत कुमार सिंह ने बताया कि 12 जनवरी भोर में चिरैया मोड़ से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पुलिस चेकिंग के दौरान एसओजी टीम और शाहगंज पुलिस की बदमाशों से अचानक मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आजमगढ़ के माहुल थाना अहरौला निवासी इस्तेखार (35) के दाहिने कंधे पर गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आजमगढ़ के निजामपुर थाना अहरौला निवासी जयसिंह (28) को गिरफ्तार किया है। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। वहीं, आजमगढ़ निवासी पुरस्कार घोषित अपराधी विशाल यादव पुत्र अनिल यादव मौके से फरार हो गया। बदमाशों की पिकअप गाड़ी से 4 जीवित और 2 मृत गोवंश बरामद किए गए हैं।

इतिहास

गांधीजी की शांति की अपील का व्यापक असर हुआ

गांधीजी का आमरण अनशन और अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म

एजेंसी (हि.स.)

भारतीय इतिहास में 13 जनवरी की तारीख विशेष महत्व रखती है। यह दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आमरण अनशन और भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के जन्म से जुड़ा हुआ है। वर्ष 1948 में 13 जनवरी को महात्मा गांधी ने हिन्दूझ्रमुस्लिम एकता और देश में शांति बनाए रखने के उद्देश्य से आमरण अनशन शुरू किया था। यह अनशन उन्होंने उस समय कलकत्ता (अब कोलकाता) में किया, जब देश विभाजन के बाद सांप्रदायिक हिंसा और उन्माद की आग में झुलस रहा था। गांधीजी का यह कदम साम्प्रदायिक तनाव के खिलाफ एक नैतिक और अहिंसक संघर्ष का प्रतीक बना। इस अनशन में हजारों लोग शामिल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में हिन्दू, सिख और पाकिस्तान से आए शरणार्थी भी थे। गांधीजी की शांति की अपील का व्यापक असर हुआ। 18 जनवरी 1948 को सुबह करीब 11:30 बजे, विभिन्न संगठनों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने गांधीजी से मुलाकात की और शांति बनाए रखने से जुड़ी उनकी शर्तों को स्वीकार किया। इसके बाद गांधीजी अनशन तोड़ने के लिए सहमत हुए। यह घटना भारतीय इतिहास में अहिंसा और सामाजिक सद्भाव की एक मिसाल मानी जाती है। इसी तारीख से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म। 13 जनवरी 1949 को पटियाला में जन्मे राकेश शर्मा ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। वे 3 अप्रैल 1984 को सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष से भारत को देखकर उनका प्रसिद्ध वाक्य सारे जहाँ से अच्छा आज भी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। राकेश शर्मा न केवल पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री थे, बल्कि वे दुनिया के शुरूआती अंतरिक्ष यात्रियों में भी शामिल रहे। बाद में उन्होंने भारतीय वायुसेना में सेवा जारी रखी और 1987 में विंग कमांडर के पद से सेवानिवृत्त हुए। इस प्रकार, 13 जनवरी की तारीख भारतीय इतिहास में अहिंसा, एकता और वैज्ञानिक उपलब्धियों का प्रतीक बनकर दर्ज है।

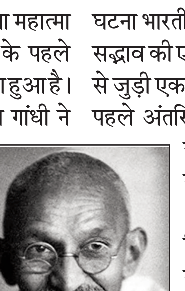

जन्म

1911 - शमशेर बहादुर सिंह, हिन्दी कवि। 1913 - सी. अच्युत मेनन - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिज्ञ तथा केरल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। 1919 - मर्री चेन्ना रेड्डी - उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल थे। 1926 - शक्ति सामंत, प्रसिद्ध फि ल्म निमार्ता एवं निर्देशक। 1928 - मनमोहन सूरी - भारतीय यांत्रिक इंजीनियर और केंद्रीय यांत्रिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर के निदेशक थे। 1938 - शिवकुमार शर्मा - प्रसिद्ध भारतीय संतूर वादक थे। 1939 - वजूभाई वाला - भारतीय जनता पार्टी के जानेमाने राजनेता हैं। 1949 - राकेश शर्मा, पहले भारतीय और 138 अंतरिक्ष यात्रियों में से एक। 1957 - रेजवाना चौधरी बन्न्या - प्रसिद्ध रवीन्द्र संगीत गायिका हैं जो भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश से हैं। 1978 - अश्मित पटेल, भारतीय अभिनेता। 1978 - मेजर मोहित शर्मा - भारतीय सेन्य अधिकारी थे, जिन्हें मरणोपरांत 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया गया था।

निधन

1921 - आर.एन. माधोलकर - भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने एक अवधि तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1964 - शौक बहराइची - प्रसिद्ध शायर। 1976 - अहमद जान थिरकवा - भारत के प्रसिद्ध तबला वादक। 2018 - सरस्वती राजामणि - भारत की सबसे कम उम्र की महिला जासूस थीं। 2018 - अमृत तिवारी - भारतीय दंत चिकित्सक थीं। 2020 - मनमोहन महापात्र - उड़िया फिल्मों के प्रसिद्ध फि ल्म निमार्ता-निर्देशक थे। 2024 - प्रभा अत्रे - प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय संगीत गायिका थीं।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1849 - द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध के दौरान चिलियांवाला की प्रसिद्ध लड़ाई शुरू हुई। 1889- असम के युवाओं ने अपनी साहित्यिक पत्रिका 'जोनाकी' का प्रकाशन शुरू किया। 1910 - न्यूयॉर्क शहर में दुनिया का पहला सार्वजनिक रेडियो प्रसारण प्रारम्भ हुआ। 1948- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दू-मुस्लिम एकता बनाये रखने के लिये आमरण अनशन शुरू किया। 1988 - चीन के राष्ट्रपति चिंग चियांग कुमो का निधन। 1993 - अमेरिका और उसके सहयोगियों ने दक्षिणी इराक में नो फ़्लाई जोन लागू करने के लिए इराक पर हवाई हमले किए। 1995 - बेलारूस नाटो का 24वां सदस्य देश बना। 1999 - नूर सुल्तान नजरवायेव पुनः कजाकिस्तान के राष्ट्रपति चुने गए। 2002 - पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के संदेश को भारत ने सकारात्मक बताया, चीनी प्रधानमंत्री झू रोंगजी 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। 2006 - परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर सैन्य आक्रमण से ब्रिटेन ने इन्कार किया। 2007 - महिलाओं के प्रति भेदभाव दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का 37वाँ अधिवेशन न्यूयार्क में शुरू। 2008 - चाय निर्माण कंपीन मारवल चाय को संयुक्त अरब अमीरात से एक लाख किलोग्राम चाय के निर्माण का आर्डर मिला। 2008 - मैसिडोनिया में सैन्य विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 11 लोग मरे। 2009 - जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष बनाए गए। 2010 - अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट के कारण जर्मनी की अर्थव्यवस्था में साल 2009 के दौरान 5% की गिरावट दर्ज की गई। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यह सबसे बड़ी गिरावट है। 2020 - लाहौर हाई कोर्ट ने उस विशेष अदालत को ह्यअसंवैधानिकह्ण करार दिया, जिसने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को संगीन देशद्रोह का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। 2020 - ओडिशा के फिल्म निमार्ता मनमोहन महापात्र का भुवनेश्वर में निधन हो गया। 2020 - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दुर्लभ बीमारियों पर एक नीति मसौदा जारी किया। इस मसौदे का मुख्य उद्देश्य उन गरीब लोगों को 15 लाख रुपये की सहायता प्रदान करना है जो उपचार का खर्च वहन नहीं कर सकते। मसौदे को 'दुर्लभ रोग 2020' नाम दिया गया।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
जेद्दा

फोटोः हि.स.

जेद्दा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में रविवार रात खेले गए स्पेनिश सुपर कप 2026 के फाइनल में बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के हीरो रहे राफिन्हा, जिन्होंने दो शानदार गोल दागे।

मैच की शुरूआत दोनों टीमों के बीच संतुलित रही, लेकिन पहले हाफ के अंतिम 10 मिनटों में मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भर गया। 36वें मिनट में राफिन्हा ने बॉक्स में घुसकर शानदार लो शॉट लगाते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में रियल मैड्रिड ने जोरदार वापसी की। विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास से गेंद लेकर तेज दौड़ लगाई, दो डिफेंडरों को छकाया और बेहतरीन फिनिश के साथ स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, बार्सिलोना ने दो मिनट के भीतर फिर बढ़त हासिल कर ली। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने खूबसूरत चिप शॉट के जरिए टीम को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन पहले हाफ का ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। रियल मैड्रिड के कॉर्नर पर राफिन्हा ने गोललाइन क्लियरेंस किया, मगर गोंजालो गार्सिया ने रिबाउंड पर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से टकराकर गोललाइन के अंदर चला गया और स्कोर 2-2 हो गया। दूसरे हाफ में मुकाबला कड़ा रहा। 73वें मिनट में राफिन्हा ने एक बार फिर कमाल दिखाया। बॉक्स के बाहर से उनका शॉट डिफेंडर से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर थिबो कर्टुआ को छकाते हुए नेट में चला गया और बार्सिलोना 3-2 से आगे हो गया।

अतिरिक्त समय में बार्सिलोना को झटका लगा जब फ्रेंकी डी जोंग को किलियन एम्बाप्पे पर फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। इसके बावजूद रियल मैड्रिड दबाव का फायदा नहीं उठा सका। अंतिम क्षणों में अल्वारो करेरास और राउल असेंशियो के करीबी प्रयासों को गोलकीपर जोआन गार्सिया ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। आखिरकार बार्सिलोना ने 3-2 की जीत के साथ अपना 16वां स्पेनिश सुपर कप खिताब जीत लिया और एक बार फिर चिर-प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड पर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

तेलंगाना में 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का भव्य आगाज

1,400 से अधिक एथलीट ले रहे हैं हिस्सा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/काजीपेट (तेलंगाना)

फोटोः हि.स.

तेलंगाना के काजीपेट स्थित रेलवे स्टेडियम में रविवार को 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) 2025-26 का शानदार शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से 1,400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह बेहद भव्य रहा, जिसमें टीमों की परेड, अनुशासित एनसीसी मार्च-पास्ट और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

तेलंगाना खो-खो एसोसिएशन और आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, इतनी बड़ी भागीदारी के साथ इस तरह का भव्य सीनियर नेशनल्स आयोजन देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। देश के हर कोने से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। हर खो-खो खिलाड़ी की आंखों में अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सपना है। हमारा लक्ष्य 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में खो-खो को शामिल कराना है और हम इस सपने को जरूर साकार करेंगे। खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा, इस शानदार आयोजन को देखकर ऐसा लगता है जैसे मैं दिल्ली में बैठा हूं, काजीपेट में नहीं। देश के हर हिस्से से टीमों की भागीदारी यह दर्शाती है कि खो-खो कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मैं केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, महासचिव उपकार सिंह और तेलंगाना खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जंगा राघव रेड्डी को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, खो-खो जैसे पारंपरिक भारतीय खेल को बढ़ावा दिया जाना बेहद जरूरी है। राज्य सरकार इस चैंपियनशिप को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। इस चैंपियनशिप में 26 राज्यों, 6 केंद्र शासित प्रदेशों, 4 संस्थागत इकाइयों और 3 एसोसिएट सदस्य संघों की टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो देशभर में खो-खो की व्यापक पहुंच और मजबूत आधार को दर्शाता है। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में खेली जा रही है। 14 जनवरी को प्री-क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल मुकाबले होंगे, जबकि 15 जनवरी को सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। समारोह में खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के महासचिव उपकार सिंह विरक, कोषाध्यक्ष गोविंद शर्मा, प्रशासन एवं संगठन अध्यक्ष डॉ. एम.एस. त्यागी, तेलंगाना खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जंगा राघव रेड्डी, सचिव एन. कृष्णामूर्ति सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, खेल प्रशासक और जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

हम आखिरी गेंद तक मुकाबले में बने रहेः नंदिनी शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में जबरदस्त ऑलराउंड प्रदर्शन किया, लेकिन रविवार को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में गुजरात जायंट्स के खिलाफ चार रन से हार का सामना करना पड़ा। 210 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन ही बना सकी और आखिरी गेंद तक मुकाबले में बनी रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए लिजेल ली ने 54 गेंदों पर 86 रन की शानदार पारी खेली, जबकि लॉरा वोल्वाड्र्ट ने 38 गेंदों में तेजतर्रार 77 रन बनाए।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी का नेतृत्व युवा तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने किया, जिन्होंने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। डब्ल्यूपीएल में अपना महज दूसरा मुकाबला खेल रहीं नंदिनी ने इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट में हैट्रिक लेने वाली पहली अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज भी बनीं। नंदिनी ने पारी के अंतिम ओवर में चार विकेट झटकते हुए गुजरात की पारी पर लगाम कस दी। करीबी मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए नंदिनी शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी बयान में कहा, हम आखिरी गेंद तक मुकाबले में बने रहे। सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और हम जीत के बहुत करीब थे। क्रिकेट में ऐसी चीजें होती रहती हैं, लेकिन जिस तरह से टीम ने संघर्ष किया, वह बहुत सकारात्मक था।

सीरी एः मैकटोमिने के दो गोल से नापोली ने इंटर के खिलाफ खेला ड्रा

एजेंसी (हि.स.)
मिलान

फोटोः हि.स.

मिलान के सान सिरो स्टेडियम में खेले गए सीरी ए के शीर्ष मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन नापोली ने शानदार जज्बा दिखाते हुए लीग लीडर इंटर मिलान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हासिल किया। नापोली के लिए स्कॉट मैकटोमिने ने दोनों गोल दागे, जबकि टीम के मुख्य कोच एंतोनियो कॉन्टे को रेफरी से बहस के चलते रेड कार्ड का सामना करना पड़ा।

इस ड्रॉ के साथ इंटर मिलान के 43 अंक हो गए हैं और वह तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान के 40 अंक हैं, जिसने इससे पहले फियोरेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। नापोली 39 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और खिताबी दौड़ में बना हुआ है। मैच की शुरूआत में नापोली ने दबाव बनाया, लेकिन नौवें मिनट में इंटर ने बढ़त हासिल कर ली। मिडफील्ड में गेंद गंवाने के बाद मार्कस थुराम गेंद लेकर आगे बढ़े और बॉक्स में फेडेरिको डिमार्को को पास दिया, जिन्होंने तीखे एंगल से लो शॉट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया।

इसके बाद इंटर ने हाई प्रेसिंग शुरू की और नापोली को लंबे समय तक अपने ही हाफ में रोके रखा। हालांकि 26वें मिनट में नापोली ने अचानक बराबरी हासिल कर ली। लियोनार्डो स्पिनात्जोला के पास पर एलज़िफ एल्मास बॉक्स में पहुंचे और उनकी लो क्रॉस को मैकटोमिने ने नजदीकी पोस्ट पर मैनुएल अकांजी से आगे निकलते हुए यान सोमर को छकाकर गोल में बदल दिया। हाफटाइम से ठीक पहले थुराम का हेडर गोलकीपर वान्या मिलिनकोविच-साविच ने टिप कर दिया और दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर ब्रेक तक पहुंचीं।

दूसरे हाफ में नापोली के पास बढ़त लेने के मौके आए। मिलिनकोविच-साविच के लंबे क्लीयरेंस पर रासमस होयलुंड गोल की ओर बढ़े लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से बाहर चला गया। वहीं स्पिनात्जोला के क्रॉस पर कप्तान जियोवानी डी लोरेन्जो का हेडर भी लक्ष्य से चूक गया।

इन चूके हुए मौकों का खामियाजा नापोली को तब भुगतना पड़ा जब इंटर को पेनल्टी मिली। अमीर रहमानी के हेनरिक मखितार्यान पर फाउल के बाद दिए गए फैसले पर नाराजगी जताने के चलते नापोली के कोच एंतोनियो कॉन्टे को रेड कार्ड दिखाया गया। हाकान चालहानोग्लू ने 73वें मिनट में पेनल्टी को पोस्ट से टकराते हुए गोल में बदल दिया और इंटर फिर 2-1 से आगे हो गया।

लेकिन नापोली ने हार नहीं मानी। मैच के 81वें मिनट में मैटियो पोलितानो के फ्लोटेड क्रॉस को नोआ लैंग ने बायलाइन से वापस मैदान में डाला और मैकटोमिने ने सिक्स-यार्ड बॉक्स के किनारे से शानदार वॉली लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

अतिरिक्त समय में मखितार्यान का डिफ्लेक्टेड शॉट पोस्ट से टकराकर वापस आया और इंटर सातवीं लगातार लीग जीत से वंचित रह गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले लगातार हार पर स्वियातेक बोलीं-किसी तरह की चिंता नहीं है, सब कुछ ठीक है

एजेंसी (हि.स.)
सिडनी

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से ठीक पहले लगातार दो मुकाबले हारने के बावजूद वर्ल्ड नंबर-2 इगा स्वियातेक ने कहा है कि उन्हें किसी तरह की चिंता नहीं है और सब कुछ ठीक है। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने माना कि उनका शरीर काफी थका हुआ और सुपर सोर है, लेकिन वह सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम से पहले पूरी तरह उबरने को लेकर आश्वस्त हैं। स्वियातेक को रविवार को सिडनी में खेले गए यूनाइटेड कप फाइनल में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ 6-3, 0-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्हें कोको गॉफ ने 4-6, 2-6 से मात दी थी। बेंचिच के खिलाफ मुकाबले में स्वियातेक पूरी तरह लय से बाहर नजर आईं। उन्होंने लगातार सात गेम गंवाए, जिसमें एक दुर्लभ 'लव सेट' भी शामिल रहा। मैच के अंत में रैकेट फेंकना और उनकी आंखों में आंसू उनकी निराशा को साफ दर्शा रहे थे। यह प्रदर्शन छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए असामान्य रहा, जो आमतौर पर लगातार मैच नहीं हारतीं। हालांकि, टीम इवेंट के रूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में पोलैंड ने 2-1 से खिताब अपने नाम किया, जब काताजीना कावा और जान ज़िलिंस्की ने निर्णायक मिक्स्ड डबल्स मुकाबला जीत लिया। फाइनल के बाद स्वियातेक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, सब कुछ ठीक है। बस शरीर बहुत ज्यादा थका हुआ है। साल का पहला टूर्नामेंट होता है, तो शरीर पर इसका असर थोड़ा अलग पड़ता है। पिछले साल भी ऐसा अनुभव हुआ था। मैं कुछ दिन आराम करूंगी और रिकवरी पर ध्यान दूंगी।

दर्पण विशेष

लोहड़ी की अग्नि में क्यों डाले जाते हैं 'रेवड़ी-फुल्ले'

लोहड़ी एक ऐसा त्योहार है जिसमें पंजाब के लोग, अपने साल की शुरूआत किसानों को उनकी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए शुक्रिया देने के साथ करते हैं। ऐसा लगता है कि 'लोहड़ी' शब्द की उत्पत्ति दो शब्दों लोह (लोहा) और अरी (आरी) के मेल से हुई है। वैकल्पिक रूप से, कई लोग मानते हैं कि लोहड़ी शब्द तिलोहड़ी, अर्थात तिल और रोहड़ी, (गुड़) के संयोजन से आया है। त्योहार के दौरान, सूर्य भगवान का आभार व्यक्त करने के लिए गुड़ की गजक, और तिल की रेवड़ी जैसे खाद्य पदार्थ अग्नि में अर्पित किए जाते हैं।

अग्नि में आहुति का महत्व

लोहड़ी की जलती अग्नि में पॉपकॉर्न, मूंगफली, रेवड़ी और गुड़ जैसी चीजें डालने का एक विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह कार्य प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है। माना जाता है कि ऐसा करके लोग अपने बीते हुए कल को पीछे छोड़ते हैं और नई उम्मीदों के साथ नए साल को गले लगाते हैं। अग्नि के चारों ओर इकट्ठा होकर लोग अपने जीवन में समृद्धि और खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगते हैं।

शुभता और फसल का आशीर्वाद

पुरानी मान्यताओं के अनुसार, अग्नि देवता को रेवड़ी, मूंगफली और फुल्ले यानी पॉपकॉर्न अर्पित करना जीवन में 'गुड लक' या सौभाग्य लेकर आता है। चूंकि, यह त्योहार खेती और फसल से जुड़ा है, इसलिए इन खाद्य पदार्थों को आग में डालना प्राकृतिक तत्वों के प्रति सम्मान दिखाने का एक रूप है। किसान और आम लोग प्रार्थना करते हैं कि अग्नि देवता आने वाले कृषि मौसम में उन पर अपनी कृपा बनाए रखें।

जीवन चक्र और वसंत का स्वागत

यह परंपरा जीवन के चक्र को भी दर्शाती है- सर्दियों की विदाई और वसंत के साथ नई फसलों का आगमन। इतिहास बताता है कि जब ये खाने की चीजें आग में चटकती हैं, तो उनकी आवाज सर्दियों के प्रकोप के टूटने और गर्मी के आगमन का संकेत देती है। यह एक तरह से जीवन में गर्माहट के लौटने का जश्न है।

सेहत का खजाना है लोहड़ी का पॉपकॉर्न

लोहड़ी पर खाए जाने वाले पॉपकॉर्न सिनेमा हॉल के बटर वाले पॉपकॉर्न से काफी अलग और सेहतमंद होते हैं। यह कम कैलोरी वाला स्नैक फाइबर और पॉलीफेनोल्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। यह लो-फैट और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्रोत है। त्योहार के बाद, आप इन पॉपकॉर्न को और ज्यादा पौष्टिक बनाने के लिए उन्हें मसालों, तेल, सोया या कढ़ी पत्ते के साथ भून सकते हैं।

प्रेम और एकता का प्रतीक

कुल मिलाकर, लोहड़ी स्वास्थ्य, प्रेम और एकजुटता का संगम है। लोग अलाव के चारों ओर भंगड़ा और गिद्दा जैसे लोक नृत्य करते हैं और पारंपरिक गीत गाते हैं। आग में भोग लगाने के अलावा, एक-दूसरे को गजक, रेवड़ी, मूंगफली और तिल से बनी मिठाइयां बांटना आपसी प्यार और भाईचारे को दर्शाता है।

पौराणिक गीत

सुंदर मुंदरिये हो !
तेरा कौन विचारा हो !
दुल्लाह भट्टी वाला हो !
दुल्हे दी धी व्याये हो !
सेर शक्कर पाई हो !
कुड़ी दा लाल पटाखा हो !
कुड़ी दा सालू पाटा हो !
सालू कौन समेटे !
चाचा गाली देसे !
चाचे चूड़ी कुट्टी ! जमीदारा लुट्टी !
जमींदार सुधाये !
बम बम भोले आए !
एक भोला रह गया !
सिपाही फड़ के लयी गया !
सिपाही ने मारी इट्ट !
भंडवे रो ते भंडवे पिट्ट !
सानू दे दे लोहड़ी, ते तेरी जीवे जोड़ी !

लोहड़ी की पौराणिक कथा

लोहड़ी के पर्व से संबंधित एक पौराणिक कथा है। जो आज भी बेहद प्रसिद्ध है। लोहड़ी के दिन एक लोकगीत गाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि एक बाद मुगल बादशाह अकबर के शासनकाल में दुल्ला भट्टी नाम का एक लुटेरा रहता है। वह अमीरों से धन चुराकर गरीबों में बांट दिया करता था। साथ ही वह गरीब, हिंदू, सिख समुदाय की लड़कियों के विवाह में मदद करता था। इस दौरान एक बार दुल्ला भट्टी को सुंदरी और मुंदरी नाम की दो बहनों के बारे में पता चला जो बहुत ही गरीब और रुपवान थीं। उन दोनों बहनों को जमींदार अगवा कर अपने साथ ले गए थे। इसके बाद दुल्ला भट्टी ने उन दोनों को ढूंढा और वहां से उन्हें बचाकर जंगल में लेकर जाकर उनकी शादी करवाकर कन्यादान किया। जिस दिन यह सारी घटना हुई उस दिन लोहड़ी का पर्व था। इसके बाद पंजाब में उन्हें नायक की उपाधि दी गई।

खाया जाता है सरसों का साग-मक्की की रोटी

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि जिस रात लोहड़ी का त्योहार मनाया जाता है, वह वर्ष की सबसे लंबी रात होती है, जिसे शीतकालीन संक्रांति भी कहा जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण सूर्यास्त के बाद उत्सवाग्नि (बॉनफायर)) प्रज्वलित करना होता है। यह पवित्र अग्नि नवविवाहित जोड़ों और नवजात शिशुओं के माता-पिताओं के लिए विशेष रूप से शुभ मानी जाती है। देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए, ऐसे नवविवाहित जोड़े और माता-पिता उत्सवाग्नि की परिक्रमा करते हैं और अग्नि में गजक (सर्दियों का एक मीठा पकवान)। पॉपकॉर्न और लाई जैसे प्रसाद डालते हैं। पंजाब की लोककथाओं के अनुसार, लोहड़ी के दिन इस उत्सवाग्नि की लपटें लोगों की प्रार्थनाओं को सूर्य देवता तक ले जाती हैं, और ऐसा माना जाता है कि देवता प्रसन्न होकर पृथ्वी को एक समृद्ध फसल का आशीर्वाद प्रदान करेंगे और ठंड और भीषण सर्दियों के दिनों को समाप्त भी करेंगे। लोहड़ी का त्योहार पूरे पंजाब में मनाया जाता है। किंवदंती के अनुसार, इस त्योहार के पीछे धुल्ला भट्टी की लोकप्रिय पौराणिक कथा है, जिन्हें अपहृत लड़कियों को बचाने और उनके विवाह की व्यवस्था करने के लिए इस क्षेत्र में एक नायक के रूप में जाना जाता था। लोहड़ी त्योहार के एक हिस्से के रूप में, लोहड़ी की रात से कुछ दिन पहले, युवा लड़के और लड़कियाँ घर-घर जाकर गीत गाते हैं, और पैसे, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ इकट्ठा करते हैं। लोहड़ी त्योहार के दौरान पारंपरिक व्यंजन भी तैयार किए जाते हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी सौंपी जाने वाली विधियों पर आधारित होते हैं। कुछ प्रसिद्ध व्यंजन हैं सरसों का साग-मक्की की रोटी, पिन्नियाँ, गुड़ की गजक और तिल के लड्डू, पंजीरी और मखाने की खीर। लोहड़ी के दौरान खाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजनों के सेवन की विशिष्ट परंपरा होने के साथ साथ उनके आहार संबंधी महत्व भी हैं। उदाहरण के लिए, वहाँ की एक परंपरा है कि लोहड़ी के एक दिन बाद सरसों का साग खाया जाता है। इस परंपरा का प्रमाण एक लोकप्रिय पंजाबी कहावत में मिलता है 'पोह रिद्धि, माघ खड्डी' जिसका अर्थ है, पंजाबी कैलेंडर के अनुसार, भोजन (साग) को पोह (पूष) के महीने में तैयार किया जाना चाहिए, और इसके अगले दिन, यानी माघ मास में खाया जाना चाहिए। लोहड़ी के सर्दी के महीने में पंजीरी का सेवन किया जाता है क्योंकि इसमें मेवा और बीज जैसे पोषक तत्व, और इलायची और दालचीनी जैसे मसाले होते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं। पंजीरी असल में विभिन्न मेवों, बीजों, विभिन्न अनाजों के आटे, गुड़, खाद्य गोंद और घी से मिलकर बनाई जाती है। ये सारी सामग्री कैल्शियम, ओमेगा 3 जैसी लाभकारी वसा, विटामिन ई, लोहा, और मैग्नीशियम के समृद्ध स्रोत हैं, जो शरीर को दर्द से राहत देते हैं और मांसपेशियों और जोड़ों को आराम देते हैं। पंजीरी को उन महिलाओं के लिए भी पोषण का बड़ा स्रोत माना जाता है, जिन्होंने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है।

क्यों मनाया जाता है लोहड़ी का पर्व?

लोहड़ी मुख्य रूप से फसल कटाई का त्योहार है, जो रबी की फसल (गेहूं, गन्ना, सरसों) की अच्छी पैदावार के लिए सूर्य देव और अग्नि देव का आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरूआत का प्रतीक है और यह नए साल की शुरूआत, समृद्धि और परिवार के मिलन का जश्न मनाता है, जिसमें दुल्ला भट्टी और माता सती से जुड़ी लोककथाएं भी महत्वपूर्ण हैं। नवविवाहितों और नवजात शिशु वाले परिवारों के लिए लोहड़ी विशेष होती है। भांगड़ा, गिद्धा, ढोल की थाप और सामूहिक नृत्य इस पर्व को जीवंत बनाते हैं' यह त्योहार सिखाता है कि खुशी व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक होती है' लोहड़ी हमें याद दिलाती है कि आधुनिकता की दौड़ में भी परंपराओं की आग बुझनी नहीं चाहिए।

बेहद रोचक है लोहड़ी पर्व का इतिहास

आचार्य सोम प्रकाश शास्त्री ने लोकल 18 से बात करते हुए बताया कि यह पर्व मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कुछ चुनिंदा क्षेत्र को विशेष रूप से जोड़ता है। यह फसलों के प्रारंभ होने के लिए एक रूप से अग्नि देव का ध्यान वंदन है। उसमें मूंगफली, रेवड़ी, गज्जक इत्यादि को अग्नि में प्रवाहित करते हैं, लेकिन इसमें इकबाल चीज विशेष देखा जाता है(पंजाबी समुदाय में जिन जातकों के विवाह होते हैं। जिनके बालक होते हैं, वह इस पर्व को बड़े हर्ष उल्लास से मनाते है, क्योंकि उनकी प्रथम लोहड़ी होती है। यह जो पर्व है, वह प्राचीन समय से ही चला आ रहा है' यह पर्व सुख, समृद्धि सृष्टि के पूर्णित को बड़े भाव से प्रकट करता है' इसमें बहुत सारी फसले जैसे गेहूं। चना, रबी इत्यादि पकती है, प्रारंभ होती है। मौसम थोड़ा ठंडा से हल्का सा गर्मी की ओर बढ़ जाता है और इसका एक एहसास हो जाता है। बता दें कि आने वाले समय में मकर संक्रांति और 14 अप्रैल को जो पर्व मनाया जाता है, वह पर्व भी विशेष रहता है। उस पर्व से जुड़े हुए स्थिरता को देखते हुए ही लोहड़ी के पर्व को विशेष रूप से मनाया जाता है।

लोहड़ी का धार्मिक महत्व

लोहड़ी के बाद से ही रातें छोटी होने लगती हैं और दिन बड़े होने लगते हैं। पारंपारिक तौर पर देखें तो यह पर्व रबी फसल की कटाई से जुड़ा है। लोहड़ी के दिन शाम के समय सभी लोग लोहड़ी का चारें तरफ नाचते हैं। लोहड़ी के दिन शाम के समय सभी लोग आग जलाकर अग्नि के चारों तरफ चक्कर लगाते हुए नाचते और गाते हैं। इस दौरान अग्नि में तिल, रेवड़ी, गुड़ और गजक आदि चीजें डालते हैं। साथ ही इस दिन रबी की फसल को भी आग में समर्पित किया जाता है। साथ ही अग्नि देव और सूर्य देव को धन्यवाद दिया जाता है। इस दौरान कुछ लोग लड्डू भी बांटते हैं। इस दिन कई लोग पतंग भी उड़ाते हैं।

सारंगपुर बॉटनिकल गार्डन में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर यूटी-स्तरीय कार्यशाला आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निदेशों के अनुपालन में कार्यशाला
- महापौर हरप्रीत कौर बबला ने समन्वित, मानवीय एवं वैज्ञानिक समाधान पर बल दिया
- मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने वन आच्छादन में वृद्धि तथा एक दशक में 15,000 वन्यजीव रेस्क्यू का उल्लेख किया
- चंडीगढ़ में शहरी विकास और संरक्षण के संतुलन पर विशेष जोर
- जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों एवं गैर-सरकारी संगठनों ने शमन रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया
- प्रमुख निष्कर्षों में हॉटस्पॉट की पहचान, क्षमता निर्माण एवं आवास सुधार शामिल

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निदेशों के अनुपालन में, चंडीगढ़ प्रशासन के वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा आज सरंगपुर बॉटनिकल गार्डन में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर यूटी-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संसदीय परामर्शदात्री समिति की 18 दिसंबर, 2025 को माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसरण में आयोजित की गई। समिति ने यह निर्णय लिया था कि प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश में सभी हितधारकों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से मानव-वन्यजीव संघर्ष पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ।

माननीय सांसद, चंडीगढ़, श्री मनीष तिवारी, यद्यपि कार्यशाला में उपस्थित नहीं हो सके, तथापि उन्होंने अपने संदेश में इस बात पर बल दिया कि शमन रणनीतियाँ स्थानीय परिस्थितियों एवं स्थल-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने दीर्घकालिक समाधान के लिए आवास सुधार एवं सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। चंडीगढ़ की माननीय महापौर, श्रीमती हरप्रीत कौर बबला, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मानवझ्रवन्यजीव संघर्ष एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक चुनौती के रूप में उभर रहा है, विशेषकर चंडीगढ़ जैसे योजनाबद्ध शहर के लिए, जो सुखना वन्यजीव अभयारण्य एवं शिवालिक की तराइयों जैसे संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्रों से घिरा हुआ है। बंदरों, मोरों, नीलगाय तथा शहर की परिधि में कभी-कभार तेंदुए की आवाजाही से जुड़ी घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने नगर निगम, वन एवं वन्यजीव विभाग, जिला प्रशासन, शहरी स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य भाषण देते हुए सौरभ कुमार, मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने बताया कि वन एवं वन्यजीव विभाग वन परिदृश्यों एवं वन्यजीव आवासों में गुणात्मक एवं मात्रात्मक सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने भारत राज्य वन रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि चंडीगढ़ में वन एवं वृक्ष आच्छादन में वृद्धि हुई है।

अमित कुमार, आयुक्त, नगर निगम चंडीगढ़ ने कहा कि चंडीगढ़ जैसे शहर का विकास संरक्षण के साथ-साथ होना चाहिए। पार्षद सतिंदर सिंह सिद्धू एवं श्री गुरजीत संधू ने पटियाला की राव चोए तथा आसपास के क्षेत्रों के समुचित सीमांकन, तथा दीर्घकालिक पारिस्थितिक संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए आरक्षित वनों एवं इको-सेंसिटिव जोन के विकास का सुझाव दिया। छत्तबीड़ चिड़ियाघर से विशेषज्ञ हरपाल सिंह ने शहरी क्षेत्रों में बंदर समस्या एवं सांप दिखने की घटनाओं के प्रबंधन हेतु व्यावहारिक शमन उपाय एवं समाधान साझा किए। कार्यशाला के प्रमुख निष्कर्षों में मानवझ्रवन्यजीव संघर्ष हॉटस्पॉट की पहचान, मानव व्यवहार संबंधी उपयुक्त जागरूकता, वन क्षेत्र के अग्रिम पंक्ति कर्मचारियों एवं संबंधित विभागों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, वन्यजीव बचाव अवसंरचना का आधुनिकीकरण, भोजन एवं जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वन्यजीव आवासों में सुधार तथा संघर्ष की स्थितियों से निपटने के लिए अंतर-विभागीय टीम का गठन शामिल रहा।

कार्यशाला में श्री अनुप कुमार सोनी, मुख्य वन संरक्षक, चंडीगढ़; श्री नवनीत श्रीवास्तव, उप वन संरक्षक, चंडीगढ़; श्री नवीन रत्तू, एसडीएम; राजस्व, पुलिस, नगर निगम, पशुपालन, वन एवं वन्यजीव विभागों के अधिकारी; शिक्षाविद, शोधकर्ता; युवसत्ता, यूथ इनोवेटिव सोसाइटी, ग्लोबल यूथ फेडरेशन इंडिया, पर्यावरण सोसाइटी ऑफ इंडिया (श्री एन.के. झिंगन के नेतृत्व में) सहित प्रमुख गैर-सरकारी संगठनों; पार्षदों; रेजिडेंट वेलफेयर संगठनों; तितली विशेषज्ञों तथा शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिवालिक की गोद में आयुर्वेद और आधुनिक नवाचार का समावेश

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला/चंडीगढ़

- राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को दे रहा नई गति

शिवालिक की गोद में स्थापित हो रहा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) पंचकूला आयुर्वेदिक चिकित्सा को नई पहचान दिलाने के साथ आधुनिक नवाचार को गति दे रहा है। संस्थान की ओपीडी में हर रोज 500 से ज्यादा रोगी आयुर्वेद उपचार और पंचकर्म सेवाओं से लाभावित हो रहे हैं। यही नहीं, संस्थान के अस्पताल में कुल 12 बहिरंग इकाई और 100 शय्या वाली अंतरंग इकाई हैं। इसके साथ, एनआईए में बीएएमएस पाठ्यक्रम विदेशी छात्र भी आयुर्वेद की पद्धतियां सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर (मानद विश्वविद्यालय) के तत्वाधान में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत माता मनसा देवी परिसर में स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला की परिकल्पना आयुर्वेद शिक्षण, प्रशिक्षण अनुसंधान, आधुनिक चिकित्सा ज्ञान और समग्र स्वास्थ्य प्रणाली केंद्र के रूप में की गई है। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में उत्तर भारत का समग्र स्वास्थ्य सेवाओं एवं आधुनिक शैक्षणिक चिकित्सा का अनूठा केंद्र तैयार हो रहा है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला का शिक्षण संस्थान में बीएएमएस (बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसन एंव सर्जरी) पाठ्यक्रम के तहत देश-विदेश के विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर रहा है। आधुनिक आधारभूत सरंचना, अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आयुर्वेद संस्थान में विद्यार्थी उत्कृष्ट शिक्षा एवं व्यवहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे है। संस्थान में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी भी आयुर्वेद की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला द्वारा ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व की भावना को साकार करते हुए 16 अक्टूबर 2023 से स्वास्थ्य सेवाओं में बहिरंग इकाई, पंचकर्म, ईसीजी और निशुल्क ब्लड शुगर की हर रोज जांच की जा रही है। वर्तमान में संस्थान के अस्पताल में कुल 12 बहिरंग इकाई, 100 शय्या वाली अंतरंग इकाई हैं। चिकित्सालय में रोगियों को निःशुल्क उच्च गुणवता युक्त औषधियों का वितरण किया जा रहा है। चिकित्सालय में काय-चिकित्सा, शालाक्य तंत्र (नेत्र), शालाक्य तंत्र (ईएनटी), प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग, शल्य तंत्र, पंचकर्म, कौमारभृत्य, इमरजेंसी, स्वास्थ्यरक्षण, विष चिकित्सा, त्वक और सौंदर्य प्रसाधन अन्य ओपीडी के साथ साथ पंचकर्म थैरपी, फिजियोथेरेपी, शल्य ओटी, योगा, ईसीजी, लैब टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे की भी सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। चिकित्सालय की बहिरंग इकाई में औसत रूप से 500 रोगी दिन प्रतिदिन उच्च गुणवत्ता वाले परामर्श, चिकित्सा, पंचकर्म सेवाएं इत्यादि से लाभान्वित हो रहे हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से भी सुसज्जित है। पंचकर्म कक्ष मे वमन, विरेचन, बस्ती, शिरोधारा, अभ्यंग आदि उपचार की सेवा उपलब्ध है। चिकित्सालय में भर्ती रोगियों के लिए प्रतिदिन निःशुल्क पंचकर्म थैरपी, फिजियोथेरेपी, ईसीजी, लैब टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, योग इत्यादि सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि बड़ी संख्या में हर रोज बड़ी संख्या में रोगी चिकित्सालय में उपचार एवं सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

मैपिंग को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

चंडीगढ़। डॉ. खुशप्रीत कौर, डैनिक्स, उप-मंडल मजिस्ट्रेट (पूर्व)-सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी-04 की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री अनिल दुबे, एमसी पार्षद; श्री हरजीत सिंह, एमसी पार्षद; श्री जसबीर सिंह लड्डी, एमसी पार्षद; श्री राजेश के. शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि; श्री के.एस. कौशल, आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि तथा श्री लेखपाल, कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एईआरओ-04, यू.टी. चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मतदान केंद्रों में चल रहे मैपिंग अभ्यास के संबंध में सभी प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, एएसडी (अनुपस्थित/स्थानांतरित/दिवंगत) मतदाताओं के विलोपन की प्रक्रिया के बारे में भी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। बैठक के दौरान प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान किया गया। साथ ही, आगामी शिविरों के बारे में भी जानकारी दी गई तथा चल रहे इस अभ्यास में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग का आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

चंडीगढ़। भारत सरकार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया है। यह दिवस वर्ष 1985 से प्रतिवर्ष पूरे भारत में मनाया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद जी आज भी एक कालजयी युवा प्रेरणा-स्रोत तथा ऊर्जा और प्रेरणा के महान प्रतीक हैं। सार्वभौमिक भाईचारे, शांति एवं मानव सेवा पर उनके विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर, चंडीगढ़ प्रशासन के शिक्षा विभाग के अंतर्गत चंडीगढ़ एनएसएस सेल द्वारा, पीजीआईएमईआर, यू.टी. चंडीगढ़ के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के सहयोग से, 12 जनवरी 2026 को यू.टी. सचिवालय, सेक्टर-9डी, चंडीगढ़ स्थित अतिरिक्त डीलक्स भवन के भूतल पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का औपचारिक उद्घाटन माननीय मुख्य अतिथि डॉ. राधिका सिंह, एचसीएस, निदेशक, उच्च शिक्षा, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा किया गया। शिविर में यू.टी. चंडीगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से लगभग 200 एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ-साथ कार्यालय कर्मचारियों एवं अन्य रक्तदाताओं ने भाग लिया और सामूहिक रूप से रक्तदान किया। इसके अतिरिक्त, जीएमएसएसएस-8, चंडीगढ़, जीएमएसएसएस-15, चंडीगढ़ तथा एनएसएस ओपन यूनिट के 60 एनएसएस स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवी दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। माननीय मुख्य अतिथि ने राज्य स्तरीय एनएसएस रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए डॉ. नेमी चंद, राज्य संपर्क अधिकारी, एनएसएस, यू.टी. चंडीगढ़ एवं उनकी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. नेमी चंद ने मुख्य अतिथि, पीजीआईएमईआर की चिकित्सा टीम, रक्तदाताओं तथा एनएसएस स्वयंसेवकों का शिविर की सफलता में उनके बहुमूल्य सहयोग एवं योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

रामकृष्ण मिशन आश्रम ने युवा दिवस मनाया

चंडीगढ़। रामकृष्ण मिशन आश्रम, सेक्टर-15बी, मध्य मार्ग, चंडीगढ़ में भारत के महान आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक एवं युवा प्रेरणा-स्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस, मुख्य सचिव, यू.टी. चंडीगढ़, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा प्रस्तुत भाषणों, गीतों एवं कविताओं के विशेष सत्र के माध्यम से स्वामी विवेकानंद के शक्ति, चरित्र निर्माण, सेवा एवं राष्ट्रीय पुनर्जागरण के संदेश को उजागर किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री एच. राजेश प्रसाद ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई आयु सीमा नहीं होती और व्यक्ति जीवन के किसी भी चरण में सीखना जारी रख सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी कार्य करना चाहिए, क्योंकि सामूहिक प्रयासों से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। उन्होंने आगे कहा कि हृदय की पवित्रता से आत्मविश्वास का विकास होता है। स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रकाश डालते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि ईश्वर केवल मंदिरों, चर्चों या मस्जिदों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में और हर स्थान पर विद्यमान हैं; अतः मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी आह्वान ह्लउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लोह्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान सम्मान एवं पुरस्कार वितरण, स्वदेश मंत्र का पाठ, स्वामी विवेकानंद पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके पश्चात धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम का समापन पुस्तक वितरण एवं प्रसाद भोज के साथ किया गया। स्वामी विवेकानंद द्वारा वर्ष 1897 में स्थापित रामकृष्ण मिशन एक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक एवं परोपकारी संगठन है, जो ह्लआत्मनो मोक्षार्थ जगद्धिताय चह्व (स्वयं की मुक्ति और जगत के कल्याण हेतु) के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्ष 2026 का वार्षिक गतिविधि कैलेंडर जारी किया

चंडीगढ़। पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्ष 2026 के लिए ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण से संबंधित वार्षिक गतिविधि कैलेंडर जारी किया है। इस कैलेंडर का औपचारिक विमोचन सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव (इंजीनियरिंग), चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री सी.बी. ओझा, मुख्य अभियंता तथा श्री पवन कुमार शर्मा, प्रमुख–ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ, अपने समर्पित दल के साथ उपस्थित रहे। यह पहल मात्र एक रणनीतिक कार्ययोजना नहीं, बल्कि संघ राज्य क्षेत्र में सजगता, दक्षता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता की सामूहिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने का एक दृढ़ संकल्प है। यह कैलेंडर चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत कार्यरत ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ (ईएमसी) / राज्य नामित एजेंसी (एसडीए) के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। यह व्यापक रोडमैप विभिन्न योजनाबद्ध गतिविधियों और कार्यक्रमों को रेखांकित करता है, जिनका उद्देश्य सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों तथा आम जनता सहित विभिन्न हितधारकों के बीच ऊर्जा संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देना है।